मध्यप्रदेश शासन

संस्कृति विभाग

प्रशासकीय प्रतिवेदन

2018-2019

मध्यप्रदेश शासन

संस्कृति विभाग

प्रशासकीय प्रतिवेदन

2018—2019

प्रशासकीय प्रतिवेदन

2018–2019

मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग

मंत्री	:	**माननीय डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ**
प्रमुख सचिव	:	**श्री पंकज राग** (20 मार्च, 2019 से निरंतर)
उप सचिव	:	**श्री अदिति कुमार त्रिपाठी**
अवर सचिव	:	**श्रीमती पद्मरेखा ढोले**

विभागाध्यक्ष

1.	**आयुक्त–सह–संचालक** पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल	**1. श्री अनुपम राजन** (24 अगस्त, 2016 से 20 मार्च 2019) **2. श्री पंकज राग** (20 मार्च 2019 से निरंतर)
2.	**संचालक** संस्कृति संचालनालय, भोपाल	**1. श्री अक्षय कुमार सिंह** (1 नवम्बर 2017 से 30 सितम्बर 2018) **2. श्री नागेन्द्र मिश्रा** (2 नवम्बर 2018 से 15 नवम्बर 2018) **3. श्री आशीष गुप्ता** (15 नवम्बर 2018 से 20 दिसम्बर 2018)
	आयुक्त–सह–संचालक संस्कृति संचालनालय, भोपाल	**4. श्रीमती रेनू तिवारी** (20 दिसम्बर 2018 से 28 मार्च 2019) **5. श्री पंकज राग** (28 मार्च 2019 से निरंतर)
3.	**आयुक्त–सह–संचालक** स्वराज संस्थान संचालनालय, भोपाल	**1. श्री मनोज श्रीवास्तव** (24 अगस्त 2017 से 19 दिसम्बर 2018) **2. श्रीमती रेनू तिवारी** (20 दिसम्बर 2018 से 28 मार्च 2019) **3. श्री पंकज राग** (28 मार्च 2019 से निरंतर)

विषय सूची

	संस्कृति विभाग, प्रशासित अधिनियम और नियम	01
	विभागीय संरचना	05
	संस्कृति सम्मान	06
	पुरस्कार	08
	विभागीय प्रकाशन	11
	संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय	**12**
●	बजट प्रावधान एवं व्यय	14
●	राज्य योजनाएँ/अन्य योजनाएँ	16
●	विभागीय प्रकाशन	22
●	महिला नीति	22
	संस्कृति संचालनालय	**23**
●	बजट प्रावधान एवं व्यय	24
●	राज्य योजनाएँ	26
●	सामान्य प्रशासनिक विषय	44
●	अभिनव योजनाएँ	44
●	महिला नीति	44
	स्वराज संस्थान संचालनालय	**45**
●	बजट प्रावधान एवं व्यय	46
●	राज्य योजनाएँ	49
●	सामान्य प्रशासनिक विषय	54
●	अभिनव योजनाएँ	55
●	विभागीय प्रकाशन	55
●	महिला नीति	56

संस्कृति विभाग

राज्य शासन द्वारा पृथक संस्कृति विभाग का गठन वर्ष 1980 में किया गया। राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, पुरातात्विक सम्पदा एवं ऐतिहासिक महत्व का यथास्थिति संरक्षण एवं विरूपण, विनाश, अपक्षरण, व्ययन या निर्यात से संरक्षण करना विभाग के मुख्य उद्देश्य हैं। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, राजभाषा, स्वाधीनता संग्राम से संबंधित एवं पुरासम्पदा के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके गुरुत्तर विकास के लिये उद्देश्य अनुरूप सक्रिय है।

संस्कृति विभाग के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं :–

1. संस्कृति के लिए नीति निर्माण।
2. कला, साहित्य और संस्कृति को हर संभव उपायों द्वारा प्रोन्नत करना और इस सन्दर्भ में विभिन्न नई योजनाएँ विरचित करना।
3. शासकीय कार्य में एवं शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षण माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा का उपयोग।
4. भारतीय भाषाओं का अध्ययन और परिरक्षण।
5. अशासकीय सांस्कृतिक संगठनों को प्रोत्साहित करना और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।
6. संगीत और ललित कला को प्रोन्नत करना, सुदृढ़ करना और उसका विस्तार तथा इसके महाविद्यालयों को स्थापित करना।
7. ऐतिहासिक दस्तावेज़ों और पाण्डुलिपियों का परिरक्षण और शोध कार्य।
8. प्रदेश में फैली हुई पुरातात्विक संपदाओं और निखात निधियों का सर्वेक्षण, उनकी पहचान करना, दस्तावेजीकरण, संपादन, संग्रहण, परिरक्षण, प्रदर्शन, उत्खनन और संरक्षण।
9. ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और संग्रहालयों का विकास।
10. संग्रहालयों में पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं का कलात्मक प्रदर्शन/प्रतिकृतियों का निर्माण, प्रदर्शन, पुरातात्विक विषयों पर शोध, सेमिनार और प्रकाशन।
11. राज्य/जिला गजेटियरों का लेखन, प्रकाशन और पुनर्मुद्रण।
12. कला, साहित्य और संस्कृति से संबंधित व्याख्यान, गोष्ठियाँ और विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित करना और संचालित करना।
13. जनजातीय और लोक कला, साहित्य एवं संस्कृति का अनुरक्षण, संरक्षण, प्रोत्साहन, प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं विकास।
14. स्वाधीनता संग्राम तथा स्वाधीनता संघर्ष–स्वराज के विविध आयामों का अध्ययन तथा उसका विचार विमर्श, दस्तावेजीकरण, संग्रहण और प्रदर्शन, दुर्लभ एवं प्रामाणिक ग्रंथों का संग्रहण एवं प्रकाशन, बहुविध आयोजन करना, प्रोत्साहन करना, प्रचार–प्रसार करना तथा उच्च स्तरीय गतिविधियों का संचालन करना।

15. भारत एवं संपूर्ण विश्व में हुए स्वाधीनता संघर्ष पर केन्द्रित स्मृति चिन्हों, दस्तावेज़ों, समाचार–पत्रों, पुस्तकों, चित्रों और फिल्मों तथा साहित्य का संग्रहण तैयार करना तथा उनका प्रकाशन करना।
16. स्वाधीनता संग्राम संबंधी व्याख्यान, परिचर्चाएँ, गोष्ठियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
17. चयनित कलाकारों, साहित्यकारों, विद्वानों, पुरातत्वविदों और संगठनों का सम्मान करना।
18. स्वतंत्रता संग्राम–स्वराज से संबंधित पुरस्कार/अलंकरण प्रदान करना।
19. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जननायकों तथा प्रसिद्ध व्यक्ति और उनके समर्पित योगदान की शताब्दी तथा जयंती कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा इसके लिए स्वयंसेवी संगठनों को सहायता अनुदान।
20. नाट्य विद्यालय, रंगकर्म प्रदर्शन तथा अध्ययन, अभिनय, प्रशिक्षण, प्रसार और विकास।
21. फिल्म सिटी की स्थापना, संचालन तथा समन्वय, फिल्म निर्माण, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, विकास तथा समस्त सम्बन्धित विषय।
22. सांस्कृतिक सम्मेलनों का परिरक्षण और संरक्षण।
23. वित्तीय अभाव वाले कलाकारों तथा साहित्यकारों को पेंशन तथा वित्तीय सहायता।
24. साहित्य, कला तथा स्वाधीनता संग्राम/आंदोलन के क्षेत्र में शोध कार्य के लिए फैलोशिप।
25. सार्वजनिक स्थलों पर विशिष्ट व्यक्तियों की प्रतिमा स्थापित करने हेतु अनुमति प्रदान करना।
26. स्वाधीनता संघर्ष सेनानियों/शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भों तथा स्मारकों की स्थापना।
27. सेवाओं से संबंधित सभी विषय जिनका विभाग से संबंध है (वित्त विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग को आवंटित किए गए विषयों को छोड़कर) उदाहरणार्थ– नियुक्तियाँ, पदस्थापनाएँ, स्थानांतरण, वेतन, छुट्टी, निवृत्ति वेतन, पदोन्नतियाँ, सामान्य भविष्य निधि, प्रतिनियुक्ति, दण्ड तथा अभ्यावेदन।

विभाग द्वारा प्रशासित अधिनियम और नियम :

1. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा पुरावशेष अधिनियम, 1964 (क्र. 12 सन् 1964)
2. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष नियम, 1975
3. मध्यप्रदेश निखात निधि नियम, 1964
4. मध्यप्रदेश राजभाषा अधिनियम, 1957 (क्रमांक 5 सन् 1958)
5. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (क्रमांक 4 सन् 2009)
6. सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (क्रमांक 1 सन् 2013)

विभाग के अधीन आने वाले संचालनालय तथा कार्यालय :

1. संचालनालय, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल
2. संस्कृति संचालनालय, भोपाल
3. स्वराज संस्थान संचालनालय, भोपाल
4. क्षेत्रीय उप–संचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर
5. राजकीय अभिलेखागार क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर और ग्वालियर

6. राज्य स्तरीय संग्रहालय, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धुबेला (जिला–छतरपुर) उज्जैन तथा रामवन (जिला–सतना)
7. जिला स्तरीय संग्रहालय, शहडोल, रीवा, पन्ना, ओरछा (जिला–टीकमगढ़), विदिशा, राजगढ़, होशंगाबाद, देवास, धार, मंदसौर और मण्डला।
8. पुरातत्ववेत्ता कार्यालय रीवा, सागर, जबलपुर, होशंगाबाद, भोपाल और इंदौर
9. संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, धार, नरसिंहगढ़, मैहर और खण्डवा
10. ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धार और खण्डवा
11. रवीन्द्र भवन, भोपाल
12. डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय, भोपाल
13. शहीद भवन, भोपाल
14. मैहर बैण्ड, मैहर

अधिनियम के अधीन गठित मण्डल, निगम और विश्वविद्यालय :

1. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर
2. साँची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची

अन्य संस्थाएँ तथा निकाय :

1. भारत भवन न्यास, भोपाल
2. मध्यप्रदेश नेहरू केन्द्र, लालबाग न्यास, इंदौर
3. मध्यप्रदेश हेरीटेज डेव्हलपमेंट ट्रस्ट, भोपाल
4 वीर भारत न्यास, भोपाल
5. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल
6. जिला पुरातत्व संघ (सभी जिला मुख्यालयों में)
7. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल

(i) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल
(ii). आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
(iii). साहित्य अकादमी, भोपाल
(iv) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन
(v) सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vi). मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vii) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल
(viii) पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल
(ix) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल
(x) प्रेमचंद सृजनपीठ, उज्जैन

(xi) निराला सृजनपीठ, भोपाल

(xii) मुक्तिबोध सृजनपीठ, सागर

(xiii) बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर

(xiv) पं. सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, उज्जैन

(xv) सांस्कृतिक कला संकुल, ग्वालियर

(xvi) सांस्कृतिक कला संकुल, जबलपुर

(xvii) मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल

(xviii) जनजातीय संग्रहालय, भोपाल

(xix) कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, त्रिवेणी, उज्जैन

8. धर्मपाल शोधपीठ, भोपाल

9. महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, भोपाल/उज्जैन

10. रेडियो आज़ाद हिन्द, भोपाल

11. शौर्य स्मारक, भोपाल

विभाग के अधीन सेवाओं के नाम, यदि कोई हों, और विशेष सेवा विषय, यदि कोई हों :

1. मध्यप्रदेश राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय भर्ती (चतुर्थ श्रेणी) नियम, 1997
2. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित, अलिपिकीय) सेवा भर्ती नियम, 1999
3. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) राजपत्रित सेवा भर्ती नियम 1998
4. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1998
5. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) तृतीय श्रेणी (लिपिकीय तथा अलिपिकीय) सेवा तथा भर्ती नियम, 1999
6. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय (चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियम, 1998
7. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् सेवा तथा भर्ती नियम, 2005
8. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 2013.
9. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियम 2015.

विभागीय संरचना

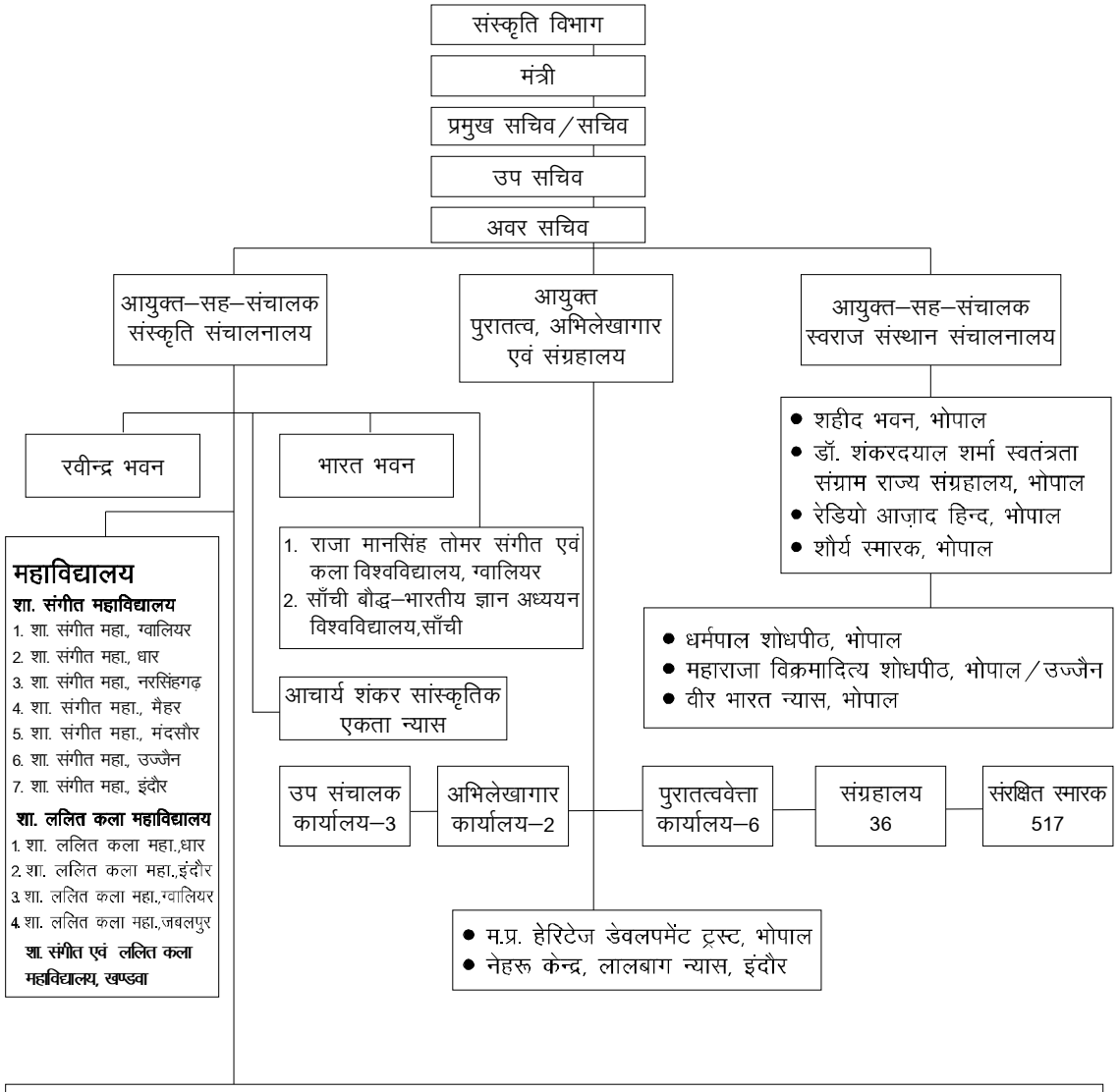

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्

- **उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल**

क. तानसेन कला वीथिका, ग्वालियर ख. ख्याल केन्द्र, भोपाल ग. ध्रुपद केन्द्र, भोपाल, ग्वालियर
घ. चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपाल

- **आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल**

क. साकेत रामायण कला संग्रहालय, ओरछा ख. आदिवर्त जनजातीय एवं लोक कला राज्य संग्रहालय, खजुराहो
ग. तुलसी शोध संस्था, चित्रकूट घ. जनजातीय संग्रहालय, भोपाल ड़. त्रिवेणी, कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन

- **साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन**
- **सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल**
- **मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **सांस्कृतिक कला संकुल, ग्वालियर**
- **राजा मानसिंह तोमर कला केन्द्र, ग्वालियर**
- **पं. सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, उज्जैन**
- **सांस्कृतिक कला संकुल, जबलपुर**
- **म.प्र. नाट्य विद्यालय, भोपाल**
- **प्रेमचन्द सृजनपीठ, उज्जैन**
- **मुक्तिबोध सृजनपीठ, सागर**
- **निराला सृजनपीठ, भोपाल**
- **बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर**

संस्कृति सम्मान

राष्ट्रीय सम्मान

सम्मान	स्थापना वर्ष	राशि	विषय क्षेत्र
महात्मा गांधी सम्मान	1995–96	10 लाख	गांधी विचार दर्शन (संस्था के लिए)
कबीर सम्मान	1986–87	3 लाख	भारतीय भाषाओं की कविता
तानसेन सम्मान	1980–81	2 लाख	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	1980–81	2 लाख	शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	1980–81	2 लाख	शास्त्रीय नृत्य
कालिदास सम्मान	1980–81	2 लाख	रंगकर्म
कालिदास सम्मान	1980–81	2 लाख	रूपंकर कलाएँ
तुलसी सम्मान	1983–84	2 लाख	आदिवासी, लोक व पारम्परिक कलाएँ
लता मंगेशकर सम्मान	1984–85	2 लाख	सुगम संगीत–पार्श्व गायन, संगीत निर्देशन
इक़बाल सम्मान	1986–87	2 लाख	उर्दू साहित्य में रचनात्मक लेखन
मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	1987–88	2 लाख	हिन्दी कविता
कुमार गंधर्व सम्मान	1992–93	2 लाख	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन व वादन हेतु युवा कलाकार
शरद जोशी सम्मान	1992–93	2 लाख	हिन्दी व्यंग्य, ललित निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र
देवी अहिल्या सम्मान	1996–97	2 लाख	आदिवासी, लोक एवं पारम्परिक कलाओं के क्षेत्र में महिला कलाकार
किशोर कुमार सम्मान	1997–98	2 लाख	फिल्म के क्षेत्र में निर्देशन, अभिनय, पटकथा, गीत लेखन
डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान	2005–06	2 लाख	पुरातत्व
अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद सम्मान	2006–07	2 लाख	स्वाधीनता संग्राम के आदर्श, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा
महाराजा अग्रसेन सम्मान	2008–09	2 लाख	सामाजिक सद्भाव और समरसता
महर्षि वेद व्यास सम्मान	2008–09	2 लाख	शिक्षा
राजा मानसिंह तोमर सम्मान	2011–12	1 लाख	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षण (संस्था के लिए)
नानाजी देशमुख सम्मान	2012–13	2 लाख	सामाजिक सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परम्परा
कवि प्रदीप सम्मान	2012–13	2 लाख	मंचीय कविता के क्षेत्र में

वीरांगना लक्ष्मीबाई सम्मान	2012–13	2 लाख	देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान के लिए महिला को
सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	2015–16	1 लाख	हिन्दी सॉफ्टवेयर, वेब डिज़ाइनिंग, डिजिटल भाषा
निर्मल वर्मा सम्मान	2015–16	1 लाख	अप्रवासी भारतीयों द्वारा हिन्दी का विकास
फादर कामिल बुल्के सम्मान	2015–16	1 लाख	विदेशी मूल के लोगों द्वारा हिन्दी भाषा/बोलियों का विकास
गुणाकर मुले सम्मान	2015–16	1 लाख	हिन्दी में वैज्ञानिक/तकनीकी लेखन एवं पाठ्य पुस्तकों का निर्माण
हिन्दी सेवा सम्मान	2015–16	1 लाख	हिन्दी को समृद्ध करने के लिये हिन्दी भाषी लेखकों/साहित्यकारों को सम्मान

राज्य स्तरीय सम्मान

शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	साहित्य (हिन्दी, उर्दू, संस्कृत)
शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	संगीत
शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	नृत्य
शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	नाटक
शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	रूपंकर कला
शिखर सम्मान	1980–81	1 लाख	आदिवासी एवं लोक कलाएँ
शिखर सम्मान	2009–10	1 लाख	दुर्लभ वाद्य वादन

पुरस्कार

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्
उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी

रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में राज्य पुरस्कार

दत्तात्रय दामोदर देवलालीकर पुरस्कार	51,000/–
मुकुन्द सखाराम भाण्ड पुरस्कार	51,000/–
रघुनाथ कृष्णराव फड़के पुरस्कार	51,000/–
नारायण श्रीधर बेन्द्र पुरस्कार	51,000/–
जगदीश स्वामीनाथन पुरस्कार	51,000/–
सैयद हैदर रज़ा पुरस्कार	51,000/–
देवकृष्ण जटाशंकर जोशी पुरस्कर	51,000/–
विष्णु चिंचालकर पुरस्कार	51,000/–
लक्ष्मीसिंह राजपूत पुरस्कार	51,000/–
राममनोहर सिन्हा पुरस्कार	51,000/–

लतीफ़ ख़ाँ सम्मान

दुर्लभ वाद्यों के प्रतिष्ठित एवं शीर्ष कलाकारों के लिए	51,000/–

साहित्य अकादमी

अखिल भारतीय पुरस्कार

पुरस्कार	विषय	राशि
पं. माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार	निबंध	1,00,000/–
गजानन माधव मुक्तिबोध पुरस्कार	कहानी	1,00,000/–
राजा वीर सिंह देव पुरस्कार	उपन्यास	1,00,000/–
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार	आलोचना	1,00,000/–
पं. भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार	गीत एवं हिन्दी ग़ज़ल	1,00,000/–
अटल बिहारी वाजपेयी पुरस्कार	कविता	1,00,000/–
कुवेरनाथ राय पुरस्कार	ललित निबंध	1,00,000/–
विष्णु प्रभाकर पुरस्कार	आत्मकथा–जीवनी	1,00,000/–
निर्मल वर्मा पुरस्कार	संस्मरण	1,00,000/–
महादेवी वर्मा पुरस्कार	रेखाचित्र	1,00,000/–
प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री	यात्रा–वृत्तांत	1,00,000/–
भारतेन्दु हरिश्चंद्र	अनुवाद	1,00,000/–
नारद मुनि	फेसबुक/ब्लॉग/नेट	1,00,000/–

प्रादेशिक पुरस्कार

वृन्दावन लाल वर्मा	उन्यास	51,000/–
सुभद्राकुमारी चौहान पुरस्कार	कहानी	51,000/–
श्रीकृष्ण सरल पुरस्कार	कविता	51,000/–
आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पुरस्कार	आलोचना	51,000/–
हरिकृष्ण प्रेमी पुरस्कार	नाटक	51,000/–
राजेन्द्र अनुरागी पुरस्कार	डायरी	51,000/–
बालकृष्ण शर्मा नवीन पुरस्कार	प्रदेश के लेखक की पहली कृति	51,000/–
ईसुरी पुरस्कार	लोक भाषा विषयक	51,000/–
हरिकृष्ण देवसरे पुरस्कार	बाल साहित्य	51,000/–
नरेश मेहता पुरस्कार	संवाद/पटकथा लेखन	51,000/–
जैनेन्द्र कुमार जैन पुरस्कार	लघुकथा	51,000/–
सेठ गोविन्द दास पुरस्कार	एकांकी	51,000/–
शरद जोशी पुरस्कार	व्यंग्य	51,000/–
वीरेन्द्र मिश्र पुरस्कार	गीत	51,000/–
दुष्यंत कुमार पुरस्कार	ग़ज़ल	51,000/–

मध्यप्रदेश की छह बोलियों के पुरस्कार

संत पीपा स्मृति पुरस्कार	मालवी	51,000/–
संत सिंगाजी स्मृति पुरस्कार	निमाड़ी	51,000/–
श्री विश्वनाथ सिंह जूदेव स्मृति पुरस्कार	बघेली	51,000/–
श्री छत्रसाल स्मृति पुरस्कार	बुन्देली	51,000/–
टंट्या भील स्मृति पुरस्कार	भीली	51,000/–
रानी दुर्गावती स्मृति पुरस्कार	गोंडी	51,000/–

कालिदास संस्कृत अकादमी

अखिल भारतीय

कालिदास पुरस्कार	संस्कृत में रचित मौलिक सृजनात्मक श्रेष्ठ कृति के लिए/प्रति दो वर्ष में	1,00,000/–
राष्ट्रीय चित्रकला पुरस्कार (चार)		1,00,000/–
राष्ट्रीय मूर्तिकला पुरस्कार (एक)		1,00,000/–

प्रादेशिक पुरस्कार

भोज पुरस्कार	संस्कृत साहित्य की समीक्षात्मक कृति के लिए	51,000/–
व्यास पुरस्कार	संस्कृत की साहित्यिक कृति अथवा शास्त्रीय ग्रंथ के हिन्दी अनुवाद के लिए	51,000/–
राजशेखर पुरस्कार	पारम्परिक शास्त्रों की शैली में रचित शास्त्रीय ग्रंथ के लिए	51,000/–

सिंधी साहित्य अकादमी

प्रादेशिक पुरस्कार

संत हिरदाराम गौरव पुरस्कार	सिंधी साहित्य की जीवनपर्यन्त सेवा	51,000/–
सिंधी पुरस्कार	गद्य लेखन	10,000/–
सिंधी पुरस्कार	पद्य लेखन	10,000/–

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

अखिल भारतीय सम्मान

मीर तकी मीर सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	51,000/–
हामिद सईद ख़ाँ सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	51,000/–
शादाँ इन्दौरी सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	51,000/–
हकीम कमरुल हसन सम्मान	उर्दू पत्रकारिता की उत्कृष्ट सेवा के लिये	51,000/–
जौहर कुरैशी सम्मान	उर्दू हास्य–व्यंग्य में उत्कृष्ट सेवा के लिये	51,000/–

प्रादेशिक सम्मान

सिराज मीर ख़ाँ सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	31,000/–
बासित भोपाली सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	31,000/–
मोहम्मद अली ताज सम्मान	रचनात्मक उर्दू साहित्य की उत्कृष्ट सेवा के लिये	31,000/–
नवाब सिद्दीक़ हसन ख़ाँ सम्मान	शोध एवं आलोचनात्मक उर्दू साहित्य के लिये	31,000/–
शैरी भोपाली सम्मान	शोध एवं आलोचनात्मक उर्दू साहित्य के लिये	31,000/–
कैफ़ भोपाली सम्मान	उर्दू शिक्षण में उत्कृष्ट सेवा के लिये	31,000/–
शम्भू दयाल सुखन सम्मान	अ–उर्दू भाषी द्वारा उर्दू साहित्य में उत्कृष्ट सेवा के लिये	31,000/–
शिफ़ा ग्वालियरी सम्मान	नये रचनाकारों को उर्दू साहित्य के लिये	31,000/–

भारत भवन

अन्तर्राष्ट्रीय छापा कला द्वैवार्षिकी पुरस्कार

चार ग्रेण्ड प्राईज अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका	1,00,000/–
दस मेरिट अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका	

विभागीय प्रकाशन

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बाणगंगा भोपाल–462003	**पुरातन** इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की अनियतकालीन शोध पत्रिका। वर्ष 1984 से प्रकाशित। इसके अतिरिक्त समय–समय पर कई पुस्तकें।
स्वराज संस्थान संचालनालय रवीन्द्र भवन परिसर भोपाल – 462002	स्वराज पुस्तक मालांतर्गत स्वाधीनता संघर्ष विषयों पर लगभग 70 पुस्तकें, अक्षयनिधि पुस्तक योजनान्तर्गत आठ पुस्तकें, स्वराज संदर्भ आलेख सीरीज, स्वराज बुलेटिन का प्रकाशन।
साहित्य अकादमी मुल्ला रमूज़ी संस्कृति भवन प्रथम तल, बाणगंगा, भोपाल–462003	**साक्षात्कार** सृजनात्मक साहित्य की हिन्दी मासिक पत्रिका। वर्ष 1976 से प्रकाशित।
उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बाणगंगा, भोपाल	**कलावार्ता** ललित–समकालीन कला, फिल्म, संगीत, नृत्य की रचनात्मक अनियतकालीन पत्रिका। वर्ष 1981 से प्रकाशित।
आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय श्यामला हिल्स, भोपाल	**चौमासा** जनजातीय और लोक वाचिक परम्परा, संस्कृति और कला पर केन्द्रित चौमासिक पत्रिका। वर्ष 1982 से प्रकाशित।
कालिदास संस्कृत अकादमी विश्वविद्यालय मार्ग, उज्जैन	**कालिदास** कालिदास और संस्कृत साहित्य की शोध पत्रिका। वर्ष 1982 से प्रकाशित।
सिन्धी साहित्य अकादमी मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन बाणगंगा, भोपाल	**सिन्धू मशाल** सिन्धी साहित्य, कला और संस्कृति केन्द्रित वार्षिक। वर्ष 1999 से प्रकाशित। **बाल सिन्धू मशाल** सिन्धी बच्चों के लिए तथा बच्चों की रचनाएं केन्द्रित वार्षिक पत्रिका। वर्ष 2005 से प्रकाशित।
मराठी साहित्य अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बाणगंगा भोपाल–462003	**अथर्वनाद** मराठी साहित्य अनियतकालिक सृजनात्मक साहित्यिक पत्रिका। वर्ष 2011 से प्रकाशित
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मुल्ला रमूज़ी संस्कृति भवन प्रथम तल, बाणगंगा, भोपाल	**पुस्तकें** – महफ़िलें दानिश्वराँ, सुबह सलोनी चम–चमचम, अंधेरा रायगाँ लम्हात का, ख़्याल अपना–अपना, इंतेख़ाबे तजल्लियाते नज़र, सरमाया–ए–निशात, दीवाने–ग़ालिब, उर्दू आपके लिए। **पत्रिकायें** – तमसील, मौजे नर्बदा (ख़बरनामा)
भारत भवन ज. स्वामीनाथन मार्ग, श्यामला हिल्स भोपाल–462002	**पूर्वग्रह** साहित्य और कलाओं की आलोचना त्रैमासिक पत्रिका। वर्ष 1974 से प्रकाशित।

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय
मध्यप्रदेश, भोपाल

भाग – एक

संचालनालय, पुरातत्व एवं संग्रहालय, म.प्र. की स्थापना वर्ष 1956 में हुई तथा वर्ष 1994 में राजकीय अभिलेखागार का इसमें विलय हुआ। मध्यप्रदेश, पुरातत्व संपदा की दृष्टि से संपन्न प्रदेश है। इस संचालनालय का मुख्य कार्य प्रदेश भर में फैली पुरा संपदा का सर्वेक्षण, चिन्हांकन, छायांकन, संकलन, संरक्षण, प्रदर्शन, उत्खनन एवं अनुरक्षण करना है। इसके साथ संग्रहालय में सुरूचिपूर्ण प्रदर्शन, महत्वपूर्ण प्रतिमाओं की अनुकृतियों का निर्माण, प्रदर्शनियों एवं पुरातत्व विषय पर केन्द्रित शोध संगोष्ठियों के आयोजन, पुरातत्वीय सामग्रियों का प्रकाशन तथा राजकीय अभिलेखागार के अन्तर्गत अभिलेखों एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का संरक्षण, संवर्धन तथा शोध कार्य किये जाते हैं।

आयुक्त/संचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय 'विभागाध्यक्ष' हैं। मुख्यालय स्तर पर उत्खनन, सर्वेक्षण, अनुरक्षण, मुद्राशास्त्र, प्रतिकृति, रसायन, छायांकन, प्रकाशन तथा संग्रहालय शाखाएं कार्यरत हैं। राज्य विभाजन के पश्चात् संचालनालय के अन्तर्गत तीन क्षेत्रीय उपसंचालक कार्यालय, पूर्वी क्षेत्र, जबलपुर, पश्चिमी क्षेत्र, इन्दौर एवं उत्तरी क्षेत्र, ग्वालियर के अधीन हैं। राजकीय अभिलेखागार शाखा के अन्तर्गत दो क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर एवं ग्वालियर में कार्यरत हैं। नागपुर कार्यालय का रिकार्ड भोपाल स्थानांतरित किया गया है। अभिलेखों को दीर्घ समय तक सुरक्षित रखने एवं इनके रिकार्ड हेतु माइक्रोफिल्मिंग इकाई भी भोपाल में स्थापित है।

राज्य स्तरीय सात संग्रहालय भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इन्दौर, धुबेला (जिला–छतरपुर), उज्जैन एवं रामवन (जिला–सतना) हैं, 14 जिला स्तरीय संग्रहालयों यथाः– शहडोल, रीवा, पन्ना, ओरछा (जिला–टीकमगढ़), विदिशा, राजगढ़, होशंगाबाद, देवास, धार, मन्दसौर, मण्डला, भिण्ड, सागर एवं दमोह हैं, जिनमें से भिण्ड, सागर एवं दमोह संग्रहालय–जिला पुरातत्व संघ के हैं किन्तु हेरिटेज भवनों में होने से इनका रखरखाव विभाग द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त 9 स्थानीय संग्रहालय यथाः– महेश्वर, आशापुरी, भानपुरा, पिछोर, गन्धर्वपुरी, चंदेरी, कसरावद (खरगौन), गोलघर (भोपाल) एवं राजवाड़ा (इन्दौर) संचालित हैं, पाँच स्थल संग्रहालय यथाः– हिंगलाजगढ़, कुण्डेश्वर, ओंकारेश्वर, मोहन्द्रा एवं सलकनपुर में स्थित हैं। 13 संग्रहालय जिला पुरातत्व संघों के अधीन मध्यप्रदेश में संचालित हैं, जिनमें भिण्ड, सागर एवं दमोह के संग्रहालयों का रखरखाव विभाग द्वारा नियमित बजट से किया जाता है तथा इनमें संघ के कर्मचारियों को अनुदान राशि द्वारा वेतन भत्तों की प्रतिपूर्ति कलेक्टरों के माध्यम से की जा रही है। इसके अतिरिक्त छः पुरातत्ववेत्ता कार्यालय मध्यप्रदेश में संचालित हैं। म.प्र. नेहरू केन्द्र लालबाग न्यास, इन्दौर एवं मध्य प्रदेश हेरिटेज डेवलपमेंट ट्रस्ट, भोपाल में गठित हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 517 स्मारक/स्थल राज्य संरक्षित किये जा चुके हैं।

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय
विभागीय स्वीकृत सेटअप का विवरण

क्र.	पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
1	आयुक्त/संचालक भारतीय प्रशासनिक सेवा	1	1	—
2	प्रथम श्रेणी	8	2	6
3	द्वितीय श्रेणी	38	9	29
4	तृतीय श्रेणी लिपिकीय	105	59	46
5	तृतीय श्रेणी अलिपिकीय	99	39	60
6	चतुर्थ श्रेणी	362	255	107
7	आऊटसोर्सिंग	14	14	—
	योग	**627**	**379**	**248**

संचालनालय के अन्तर्गत वर्ष 2018–19 में द्वितीय श्रेणी के एक अधिकारी का स्थानान्तरण किया गया। 30 न्यायालयीन प्रकरणों में 11 प्रकरण निराकृत हो चुके हैं तथा 19 प्रकरणों में कार्यवाही प्रचलित है। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 54 कर्मचारियों का समयमान वेतनमान स्वीकृत किया गया है।

प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा परिणाम स्वरूप सहायक वर्ग–3 का एक पद (अ.ज.जा.) एवं शासन नियमानुसार बैगा, सहरिया/सहारिया एवं भारिया (आदिम जनजाति) के अंतर्गत सहायक वर्ग–3 का एक पद भारिया (आदिम जनजाति) की नियुक्ति की गई है।

भाग–दो

बजट प्रावधान
वर्ष 2016–17

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	आयोजनेत्तर		आयोजना	
		प्रावधान	आहरण /व्यय	प्रावधान	आहरण /व्यय
	लेखाशीर्ष–2205				
1	103 पुरातत्व	1381.53	1027.63	981.00	794.70
2	104 अभिलेखागार	209.06	141.84	40.50	33.25
3	105 सार्वजनिक पुस्तकालय	0.00	0.00	39.45	7.71
4	107 संग्रहालय	1071.91	596.37	225.00	116.59
	योग	**2662.50**	**1765.84**	**1285.95**	**952.25**

बजट प्रावधान
वर्ष 2017–18

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	बजट आवंटन 2017–18	31 मार्च, 2018 तक व्यय
	लेखाशीर्ष–2205		
1	103 पुरातत्व	2185.01	1925.73
2	104 अभिलेखागार	240.99	184.18
3	105 सार्वजनिक पुस्तकालय	6.00	4.34
4	107 संग्रहालय	1168.76	783.97
	योग	**3600.76**	**2898.22**
5.	मांग संख्या 67 लेखाशीर्ष 2059–01–053–3383–8888–33–001 (लोक निर्माण विभाग से मोती महल, ग्वालियर हेतु प्राप्त बजट)	116.84	115.25
	कुल योग	**3717.60**	**3013.47**

बजट प्रावधान
वर्ष 2018–19

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	बजट आवंटन 2018–19	आहरण अप्रैल 18 से 31.03.2019 तक व्यय
	लेखाशीर्ष–2205		
1	103 पुरातत्व	2684.49	1949.97
2	104 अभिलेखागार	212.01	190.40
3	105 सार्वजनिक पुस्तकालय	140.00	37.20
4	107 संग्रहालय	1148.34	914.67
	योग	**4184.84**	**3092.24**

भाग – 3

राज्य योजनाएँ

उत्खनन/सर्वेक्षण :– वित्तीय वर्ष 2018–19 में 03 उत्खनन, 05 स्थलों की मलवा सफाई एवं 02 जिलों के ग्रामवार पुरातत्वीय सर्वेक्षण के अतिरिक्त नर्मदा सेवा मिशन के अंतर्गत 07 ऐतिहासिक गुफाओं/मंदिरों के उन्नयन विकास का लक्ष्य निर्धारित था। अद्यतन में सिद्धेश्वर मंदिर, ओंकारेश्वर के मलवा सफाई का कार्य निरंतर चल रहा है, जिसमें परमार कालीन महत्वपूर्ण प्रतिमाएं एवं शिल्पखंड प्राप्त हुए हैं, जो पुरातत्वीय दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण हैं। सिद्धेश्वर मंदिर, ओंकारेश्वर विशाल योजना में निर्मित होने के कारण मंदिर के मलवा सफाई का कार्य दो चरणों में करना पड़ा है। उत्खनन के लिए प्रस्तावित 03 स्थलों में से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नईदिल्ली द्वारा मात्र उज्जैन के ऋणमुक्तेश्वर क्षेत्र में स्थित पुरातत्वीय स्थल के उत्खनन की अनुमति प्रदान की गई है, जिसे निष्पादित करने हेतु कार्यवाही प्रचलित है।

गणतंत्र दिवस 2019 के अवसर पर लाल परेड मैदान, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में संचालनालय द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों पर किये गये अनुरक्षण कार्यो के प्रचार–प्रसार के अंतर्गत विभागीय झांकी में ''स्मारक रानी रूपमती का मकबरा, सारंगपुर, जिला–राजगढ़'' का प्रदर्शन किया गया, जिसके लिये संचालनालय को इस वर्ष प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अनुरक्षण :– अनुरक्षण शाखा द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों के अनुरक्षण, उन्नयन एवं विकास कार्य सम्पन्न कराये जाते हैं। इस कार्य हेतु संचालनालय में प्राप्त बजट के अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त प्राक्कलन के आधार पर परीक्षण उपरांत प्रशासकीय, वित्तीय, तकनीकी स्वीकृति जारी की जाती है। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा आवंटित बजट के अनुरूप स्मारकों के अनुरक्षण कार्य सम्पन्न कराये जाते हैं।

पुरातत्वीय धरोहर को सहेजने एवं उसे उसके मूल रूप में बनाये रखने की दृष्टि से स्मारकों के लिये विशेष वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग किया जाता है जिससे स्मारक के पूर्व में निर्माण के समय उपयोग की गई सामग्री के अनुरूप ही अनुरक्षण आदि कार्यो में सामग्री का उपयोग किया जाता है, जिससे स्मारक के मूल स्वरूप को यथा अनुरूप बनाये रखा जाकर अतीत की धरोहर को भविष्य के लिये सुरक्षित रखा जा सके। इसके अतिरिक्त स्मारकों एवं राज्य संचालित संग्रहालयों की सुरक्षा व्यवस्था के लिये भी विभागीय अमले के अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी रखे जाकर सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त स्मारकों, पुरावशेषों, कलाकृतियों के रसायनिक संरक्षण का कार्य भी इसी योजना के अंतर्गत किया जाता है। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018–19 रुपये 1160.83 लाख की राशि के प्रावधान के विरुद्ध राशि रुपये 691.80 लाख व्यय कर 14 स्मारकों का अनुरक्षण एवं सुरक्षा कार्य कराया गया।

रसायन खण्ड :– रसायनिक संरक्षण हेतु राशि रूपये 20.00 लाख का वित्तीय लक्ष्य एवं 05 स्मारक एवं एक संग्रहालय के पुरावशेषों के रसायन संरक्षण कार्य का भौतिक लक्ष्य था, जिसके अन्तर्गत 15.97 लाख व्यय कर 07 स्मारकों का रसायनिक संरक्षण कार्य संपादित किया गया। यथा :– राज्य संरक्षित स्मारक काका साहब की छत्री जिला–धार, यशवन्त राव पवार की छत्री जिला–धार, राजा महल ओरछा के भित्ति चित्र ओरछा (जिला–टीकमगढ़), आनन्द राव पवार की छत्री जिला–धार, रामचंद्र राव पंवार की छत्री जिला–धार, काले सैयद का मकबरा चंदेरी (जिला–अशोकनगर), हंसों की मढ़िया चन्देरी

(जिला अशोकनगर) तथा राज्य संग्रहालय भोपाल व आशापुरी संग्रहालय का दीमक विनष्टीकरण कार्य सम्पन्न किया गया।

मॉडलिंग खण्ड :– सत्र 2018–19 में कुल 655 नग प्रतिकृतियों का निर्माण किया गया। विविध प्रकार की प्रतिकृतियों के विक्रय से कुल राशि रुपये 1,88,600/– की आय अर्जित हुई। माह सितम्बर 2018 में दो दिवसीय ''मिट्टी के गणेश'' कार्यशाला आयोजित की गयी। माह दिसम्बर 2018 में बी.एस.एन. एल. में तीन दिवसीय विभागीय प्रतिकृतियों का प्रदर्शन/विक्रय का स्टाल लगाया गया। माह जनवरी में पाँच दिवसीय ''लोकरंग मेला'' में विभागीय प्रतिकृतियाँ प्रदर्शन/विक्रय के लिये उपलब्ध करायी गईं।

फोटोग्राफी खण्ड :– वर्ष 2018 में विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर ''भोपाल विरासत'' नामक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

पारितोषिक/पुरस्कार :– पुरातत्व एवं इतिहास के क्षेत्र में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2005 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान प्रतिवर्ष दिये जाने की व्यवस्था की है, तदानुसार 2005 से प्रतिवर्ष देश के लब्ध–प्रतिष्ठित एवं पुरातत्व के क्षेत्र में गहन शोध कार्य तथा उत्कृष्ट प्रकाशन करने वाले पुरातत्वविद् को सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 के पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रिया प्रचलन में है।

परीक्षा एवं प्रशिक्षण :– पुरातत्वीय विधा में पुरातत्वविदों को और अधिक कुशल बनाने के लिये प्रशिक्षण/कार्यशालायें भी आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष 2 प्रशिक्षण सम्पन्न किये गये।

सेमिनार/कार्यशाला :– पुरातत्वीय गतिविधियों के प्रचार–प्रसार एवं शोध कार्यो को प्रोत्साहन देने के लिये विभाग द्वारा शोध संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। प्रचार–प्रसार हेतु विश्व धरोहर दिवस, विश्व संग्रहालय दिवस, स्वतंत्रता दिवस एवं विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता, 04 कार्यशाला, 03 व्याख्यान माला एवं शोध संगोष्ठी आयोजित की गईं। इस वर्ष ओरछा, सागर में चित्रकला कार्यशाला, विदिशा, रीवा एवं सागर में विश्व धरोहर दिवस पर 18 अप्रैल 2018 को व्याख्यान माला का आयोजन तथा सागर, भिण्ड व पन्ना में शोध–संगोष्ठी का आयोजन दिसम्बर 2018 में कराया गया। वर्ष में 4 सेमिनारों का आयोजन एवं 2 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया।

मेला/उत्सव/प्रदर्शनी :– पुरातत्वीय गतिविधियों के प्रचार–प्रसार एवं आमजन को पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय के प्रति जागरुक बनाने के लिये पुरासंपदा एवं स्मारकों पर केन्द्रित छायाचित्र प्रदर्शनियों का आयोजन विभाग द्वारा किया जाता है। संचालनालय के अधीन प्रदेश के संग्रहालयों में छायाचित्र प्रदर्शनी ''विश्व धरोहर दिवस'' के अवसर पर इंदौर, पन्ना, भिण्ड, महेश्वर, भानपुरा, ग्वालियर में आयोजित की गई। 18 मई 2018 को ''विश्व संग्रहालय दिवस'' के अवसर पर भोपाल, जबलपुर, रामबन (सतना), इंदौर, उज्जैन, धुबेला (छतरपुर), ग्वालियर, रीवा, मंदसौर, दमोह, पन्ना, कसरावद (खरगोन), भिण्ड, महेश्वर (खण्डवा), विदिशा में एवं ''विश्व धरोहर सप्ताह'' अवसर पर 19 से 25 नवम्बर 2018 तक रामबन (सतना), रीवा, पन्ना, धार, भानपुरा (मन्दसौर), कसरावद (खरगौन), ग्वालियर, ओरछा (टीकमगढ़) एवं धुबेला (छतरपुर) में प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं।

अन्य प्रभार – पुरातत्वीय गतिविधियों के प्रचार–प्रसार के लिये चयनित विषयों पर प्रदर्शनी हेतु छायाचित्र तैयार कराये जाते हैं। इस वर्ष 03 प्रदर्शनियों के छायाचित्र तैयार कराये जा चुके हैं।

कलाकृतियों का क्रय – विभाग द्वारा पुरातत्वीय एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पुरासामग्री, कलाकृतियां, पेन्टिंग आदि का क्रय आवश्यकतानुसार किया जाता है।

डॉ. वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान, भोपाल :– संस्थान की स्थापना भारतीय संस्कृति एवं पुरातात्विक गतिविधियों को बढ़ाने तथा प्राचीन परम्परायें एवं धरोहर को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिये की गई है। पुरातत्व विषय से संबंधी दो कनिष्ठ व दो वरिष्ठ फैलोशिप भी संस्थान द्वारा प्रदान की जाती हैं। पुरातत्व सबंधी सर्वेक्षण, उत्खनन कार्य संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ हैं।

डॉ. एस.वी. ओता, संयुक्त पूर्व महानिदेशक, A.S.I. नई दिल्ली का व्याख्यान "Geo-archaeological Investigations of Acheulian Localities at Tikoda and Demdongri District Raisen, M.P." राज्य संग्रहालय सभागार में आयोजित किया गया।

विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर **सुश्री रचिता गौरावाला** द्वारा निर्देशित फिल्म ''बेगमों का भोपाल'' का प्रदर्शन राज्य संग्रहालय सभागार में किया गया।

संस्थान द्वारा म.प्र. के पुरातत्व के क्षेत्र में शोध एवं दो वरिष्ठ फैलोशिप यथा प्रो. शीला मिश्रा पूर्व विभागाध्यक्ष, डेक्कन कॉलेज पुणे को "Palaeolithic Technology in the Narmada Velley, with a special focus on the Maheswar-Barwah area." तथा डॉ. मीनाक्षी दुबे पाठक, भोपाल को "Painted Shelters in the Central Narmada Velley: An Ethnographic Approach." विषय पर प्रदान की गयी।

डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान से उत्खनन कार्य कराये गये। मनोरा (जिला–सतना) में उत्खनन कार्य कराया गया, जिसमें गुप्तकाल के एक बड़े भवन के भग्नावशेष प्राप्त हुए हैं। इन भग्नावेशों में प्राचीन कुषाण व गुप्त कालीन ईटों का प्रयोग किया गया है। देखने से यह भवन राजपरिवार से संबंधित लगता है। उत्खनन से मृदभाण्ड व कई और पुरातात्विक प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं। स्थल क्षेत्र पर सर्वे के दौरान गुप्तकालीन अभिलेख, जिसमें शैव मंदिर के निर्माण का विवरण है, प्राप्त हुआ है, साथ ही कई शैलचित्र व प्राचीन प्रतिमाएँ प्राप्त हुई हैं। सर्वे में सम्पूर्ण मनोरा ग्राम में एक बड़ी प्राचीन प्राकार के प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं, जोकि संभवतः गुप्त कालीन हैं। सर्वे में 108 टीलों के प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं।

मेहताखेड़ी तहसील बड़वाह (जिला–खरगौन) में द्वितीय चरण उत्खनन कार्य किया जा रहा है, जिसमें प्रागैतिहासिक मानव के अवशेष प्राप्त हुये हैं। इस स्थल की तिथि लगभग 70 हजार वर्ष प्राचीन होने की संभावना है। यहां से शुतुरमुर्ग के अंडों के प्रमाण भी प्राप्त हैं।

संग्रहालय :– संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा मध्यप्रदेश में 35 संग्रहालयों का संचालन किया जाता है। संग्रहालयों की स्थापना का मूल उद्देश्य जनसामान्य को उनकी पुरातत्वीय विरासत की जानकारी देना है। इन संग्रहालयों में प्रदेश की बहुमूल्य प्रतिमाएँ, पुरावशेष, कलाकृतियाँ, सिक्के एवं अन्य सामग्री प्रदर्शित हैं।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में 12 संग्रहालयों में उन्नयन एवं विकास कार्य किया गया तथा राज्य संग्रहालय भोपाल, नवीन संग्रहालय भवन जिला संग्रहालय आशापुरी, त्रिवेणी संग्रहालय उज्जैन, कसरावद संग्रहालय, देवी अहिल्या संग्रहालय महेश्वर, रानी दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर, जिला पुरातत्व संग्रहालय मण्डला, महावीर तीर्थंकर संग्रहालय शहडोल, जिला पुरातत्व संग्रहालय धार, जिला पुरातत्व संग्रहालय होशंगाबाद, पुरातत्व संग्रहालय विदिशा, जिला पुरातत्व संग्रहालय देवास में उन्नयन एवं विकास कार्य की कार्यवाही की गई।

एकमुश्त अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजनांतर्गत राशि रुपये 10.00 करोड़ से संग्रहालयों में उन्नयन एवं विकास कार्य कराया गया। केन्द्रीय संग्रहालय इंदौर में कार्य प्रगति पर है।

केन्द्रीय सहायता योजनांतर्गत स्थानीय एवं प्रादेशिक संग्रहालयों के उन्नयन एवं विकास कार्यों के लिये भारत शासन द्वारा स्वीकृत राशि रुपये 877.51 लाख तीन संग्रहालयों यथा राज्य संग्रहालय भोपाल, गूजरी महल संग्रहालय ग्वालियर एवं नवीन संग्रहालय सिरोंज के लिये स्वीकृत हुई। राज्य संग्रहालय, भोपाल में राजधानी परियोजना प्रशासन के माध्यम से उन्नयन एवं विकास कार्य तथा सी.सी.टी.वी. लगाने, बैरिक का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। गूजरी महल संग्रहालय, ग्वालियर में कलाकृतियों के प्रदर्शन में सुधार एवं अन्य अनुरक्षण कार्य कराये गये हैं। सिरोंज संग्रहालय की डी.पी.आर. पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) के माध्यम से तैयार कराई गई तथा लोक निर्माण विभाग से संग्रहालय के निर्माण की कार्यवाही प्रचलन में है।

अनुदान :– अनुदान शाखा के अंतर्गत विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित जिला पुरातत्व संघ में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन भत्ते एवं कार्यालयीन तथा अन्य व्यय हेतु अनुदान दिया जाता है। सत्र 2018–19 में 13 जिला पुरातत्व संघों के अन्य कार्यालयीन एवं अन्य व्यय की पूर्ति हेतु–42–सहायक अनुदान–007–मद में रुपये 0.43 लाख का अनुदान दिया गया।

अभिलेखागार :– अभिलेखागार का मुख्य कार्यालय संचालनालय, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, बाणगंगा मार्ग, भोपाल में स्थित है तथा दो अभिलेख कक्ष डी–ब्लाक, पुराना सचिवालय एवं सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्थित है। इसके अतिरिक्त दो क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर एवं ग्वालियर में कार्यरत हैं। अभिलेखागार शाखा में मध्यप्रदेश राज्य में विलीन की गई, भूतपूर्व रियासतों यथा सिंधिया राज्य ग्वालियर, होलकर राज्य इंदौर, भोपाल राज्य, मध्यभारत राज्य तथा मध्यप्रांत के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेख संरक्षित हैं। यह अभिलेख अंग्रेजी, हिन्दी, मोढ़ी, उर्दू एवं फारसी भाषा में हैं।

सैन्ट्रल प्राविन्सेज़ एवं बरार के (वर्ष 1798 से 1919) महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेजों का डिजीटाईजेशन कार्य कराया जा रहा है। कम्पाईलेशन एजुकेशन (वर्ष 1867 से 1892), जेल (वर्ष 1867 से 1892), रेवेन्यु फॉरेस्ट (वर्ष 1866 से 1892), मेडिकल (वर्ष 1890 से 1892), डिस्ट्रिक्ट कौंसिल (वर्ष 1880 से 1892), एवं जुडिशियल (वर्ष 1851 से 1892), रेवेन्यु नजूल (वर्ष 1878 से 1891), रेवेन्यु पी.डब्ल्यु.डी. (वर्ष 1860 से 1892), रेवेन्यु एग्रीकल्चर (वर्ष 1860 से 1892), सेपरेट रेवेन्यु (वर्ष 1865 से 1892), कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज (वर्ष 1866 से 1892), एजुकेशन (वर्ष 1867 से 1890) तक कुल 3,15,237 अभिलेखों का डिजिटाईजेशन कार्य कराया गया।

जन सामान्य को अभिलेखीय विरासत की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ''स्वतंत्रता आंदोलन 1857–1947'' विषय पर आधारित दुर्लभ अभिलेखों एवं छायाचित्रों की प्रदर्शनी 29 अगस्त से 11 सितम्बर 2018 तक राज्य संग्रहालय, भोपाल में आयोजित की गई।

वर्ष 2018–19 में शोधकर्ताओं को शोध सुविधा उपलब्ध करायी गई तथा मांग पत्रों पर आवश्यक कार्यवाही की गई।

सार्वजनिक पुस्तकालय :– संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, म.प्र. के अधीनस्थ ग्रंथालयों में लगभग 51,350 प्रलेखों एवं पत्र–पत्रिकाओं, धार्मिक पाण्डुलिपियों एवं दुर्लभ ग्रंथों का संकलन हैं, जिनमें विभिन्न विषयों–पुरातत्व, इतिहास एवं संग्रहालय अनुरक्षण, मानव विज्ञान, आर्किटेक्चर,

कला, पेन्टिंग, एपिग्राफी, एन्डोलॉजी, वैदिक साहित्य, मुद्राशास्त्र, लिपिशास्त्र, जिला गजेटियर्स एवं अन्य विषयों पर पाठ्य साम्रगी उपलब्ध हैं।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में राशि रुपये 1.40 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ। प्राप्त आवंटन से राशि रुपये 37,20,298/– व्यय की गई। जिसके अन्तर्गत विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों, शोधार्थियों व जनसामान्य को शोध सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुरातत्व इतिहास एवं संग्रहालय अनुरक्षण आदि विषयों पर आधारित महत्वपूर्ण उपयोगी कुल 767 नग पुस्तकों का क्रय किया गया एवं ऐतिहासिक एवं दुर्लभ मूल ग्रंथों को भविष्य हेतु सुरक्षित रखने के दृष्टिकोण से पुरानी जीर्ण–शीर्ण लगभग 1825 पुस्तकों की बाइंडिंग व मरम्मत कार्य कराया गया।

राज्य/संघ शासित क्षेत्रों के अभिलेखागारों, सरकारी पुस्तकालयों के लिये केन्द्रीय वित्तीय सहायता के अन्तर्गत संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल के अधीनस्थ कार्यालय संग्रहाध्यक्ष, शासकीय तुलसी संग्रहालय, रामवन (जिला–सतना) के ग्रंथालय की धार्मिक पाण्डुलिपियों व दुर्लभ ग्रंथों के डिजिटाइजेशन, अनुरक्षण, संरक्षण एवं मरम्मत आदि कार्यों हेतु भारत सरकार, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत अनुदान राशि रुपये 33.50 लाख के अन्तर्गत 3.75 लाख धार्मिक पाण्डुलिपियों के पृष्ठों का डिजिटाइजेशन कर डेटाबेस तैयार किया गया, साथ ही 75 हजार पृष्ठों का अनुरक्षण, संरक्षण एवं मरम्मत आदि कार्यों के साथ ही ग्रंथालयों से संबंधित अन्य उन्नयन एवं विकास कार्य किये गये।

उपयोगकर्ताओं व जनसामान्य को अद्यतन सूचना व त्वरित संदर्भ सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रलेखों का डेवी डेसीमल पद्धति से वर्गीकरण किया गया है। परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षो में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध पाठ्य साम्रगी का देश–विदेश के लगभग 530 शोधार्थियों/जनसामान्य एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अध्ययन किया गया। ग्रंथालय स्वचालीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर डेटाबेस तैयार करने एवं ग्रंथालय को सूचना प्रौद्योगिकी व नेटवर्किंग से जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही हैं, जिससे कि उपयोगकर्ताओं की शैक्षणिक एवं तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा कर ग्रंथालय को प्राथमिक प्रकृति के शोध में अग्रणी किया जा सके।

सूचना एवं प्रौद्योगिकी :– विभाग में इन्टरनेट एवं WiFi की सुविधा हेतु कार्यालय में शासकीय नेटवर्क SWAN (State Wide Area Network) से जोड़ा गया है, जिससे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी शासकीय कार्यों के लिए इस सुविधा से जुड़ चुके हैं, ई–प्रोक्योरमेंट एवं अन्य कार्यों हेतु विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के डिजिटल सिग्नेचर बनाने का कार्य किया गया है।

विभागीय वेबसाईट का कार्य निरंतर किया जा रहा है इसके अंतर्गत सभी संग्रहालय एवं स्मारकों की संक्षिप्त जानकारी हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है इसके अतिरिक्त वेबसाईट को नया एवं आकर्षक रूप देने का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे अधिक मात्रा में आगंतुकों को धरोहरों के प्रति आकर्षित किया जा सके। विभाग में किये जा रहे उत्खनन एवं अनुरक्षण कार्यों की जानकारी भी विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध हो रही है, विभाग द्वारा विकसित प्रदेश में उत्कृष्ट कलाकृतियों की प्रतिकृतियों की जानकारी भी आनॅलाईन उपलब्ध है।

13वां वित्त आयोग :– 13 वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अन्तर्गत भारत शासन से स्मारकों के अनुरक्षण एवं विकास, संग्रहालयों के उन्नयन एवं विविध कार्यों हेतु वर्ष 2011 से 2015 के लिये राशि रुपये 157.50 करोड़ प्राप्त हुई। इसमें से राशि रुपये 116.57 करोड़ व्यय की गई तथा राशि रुपये 40.93 करोड़ से वर्तमान में कार्य कराये जा रहे हैं। प्रदेश में पहली बार व्यापक तौर पर स्मारकों का अनुरक्षण कार्य कराया जा रहा है। इसमें से वर्तमान में 250 अनुरक्षण एवं विकास कार्य पूर्ण कराये गये तथा 27 कार्य प्रगति पर हैं।

ओरछा–ग्वालियर सर्किट में जिन स्मारकों पर कार्य कराये गये उनमें से प्रमुख स्मारक गढ़कुण्डार का किला, जिला–टीकमगढ़, महाराजा नरसिंह महल, जिला–श्योपुर, लक्ष्मी मंदिर, ओरछा जिला–टीकमगढ़, करैरा फोर्ट, जिला–शिवपुरी, बल्देवगढ़ का किला, जिला– टीकमगढ़ एवं नरवर का किला, जिला–शिवपुरी है।

बुरहानपुर–इंदौर सर्किट में जिन स्मारकों पर कार्य कराये गये उनमें से प्रमुख स्मारक हिंगलाजगढ़ का किला जिला–मंदसौर, फोर्टीफिकेशन वॉल बुरहानपुर, कुशलगढ़ फोर्ट जिला–इंदौर एवं लुन्हेरा की सराय जिला–धार है।

भोपाल सर्किट में जिन स्मारकों पर कार्य कराये गये उनमें से प्रमुख स्मारक होशंगशाह का किला जिला–होशंगाबाद, बागड़ा तवा किला जिला–होशंगाबाद, किला एवं जागेश्वर भगवान मंदिर संगवामल, जिला–हरदा, शाही मस्जिद उदयपुर, जिला–विदिशा, पाण्डव की कचहरी सालवर्डी, जिला–बैतूल, पिसनहारी मंदिर उदयपुर जिला–विदिशा, मोती महल, भोपाल एवं गोलघर, भोपाल हैं।

विंध्य–जबलपुर सर्किट में जिन स्मारकों पर कार्य कराये गये उनमें से प्रमुख स्मारक गौड़ राजा महल, पिटहेरा (जिला–नरसिंहपुर) एवं शिवमंदिर, मड़ई (जिला–सतना) हैं।

संस्कृति विभाग एवं वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड के मध्य दिनांक 08.12.2011 को स्मारकों के अनुरक्षण कार्यों हेतु करारनामा किया गया था, जिसमें 37 अनुरक्षण कार्य उनकी सहभागिता से पूर्ण हो गये हैं, 05 स्मारकों में कार्य प्रगति पर हैं एवं 12 स्मारकों की डी.पी.आर. विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन उनके द्वारा तैयार की जा रही है। उक्त कार्य के लिए उनके द्वारा पाँच मिलियन डॉलर व्यय किये जा रहे हैं। विरासत भवनों में स्थापित 9 संग्रहालयों का उन्नयन एवं विकास कार्य पूर्ण किया गया। 08 स्कल्पचर शेड्स का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया एवं 07 स्कल्पचर शेड्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

भाग – चार

विभागीय प्रकाशन

विभाग द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण/उत्खनन एवं अन्य अन्वेषण कार्यों की जानकारी जनसामान्य को प्रदान करने के उद्देश्य से विभागीय प्रकाशन कराया जाता है, जिसमें सर्वेक्षण पर आधारित जिले के पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय की पुस्तकें, संग्रहालय के फोल्डर आदि प्रकाशित किये जाते हैं। वर्ष 2018–19 में उक्त मद में रुपये 6.00 लाख की राशि प्रावधानित की, इससे "इन्दौर–इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व" तथा "स्मारकों का अनुरक्षण 2018" पुस्तकें प्रकाशित करायी गई।

पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय गतिविधियों के प्रचार–प्रसार एवं शोध कार्य को प्रोत्साहन देने के लिये विभाग प्रकाशन कार्य करवाता है, जिसमें विभाग के संग्रहालयों के फोल्डर, ब्रोशर, सर्वेक्षण प्रतिवेदन एवं शोध कार्य पर केन्द्रित शोध संगोष्ठियों के शोध पत्र पुस्तक के रूप में प्रकाशित किये जाते हैं। छतरपुर जिले पर आधारित पुरातत्व सर्वेक्षण प्रतिवेदन की प्रकाशन प्रक्रिया प्रचलन में है।

भाग – पाँच

महिला नीति

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय कार्यालय में महिलाओं के लिये किये गये कार्यों में विशेष रूप से निम्नानुसार उल्लेखनीय हैं:–

महिला नीति के फलस्वरूप पुरातत्व संचालनालय में एक महिला समिति का गठन किया गया, जिसमें संचालनालय के महिला राजपत्रित अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया। संचालनालय पुरातत्व में महिलाओं के लिए अलग से एक कक्ष आवंटित किया गया है। अभी तक महिला उत्पीड़न के कोई प्रकरण प्रकाश में नहीं आये हैं। संचालनालय के द्वारा संचालित सभी योजनाओं में महिलाओं को भी समान रूप से लाभ के अवसर प्रदान करने के यथासंभव प्रयास किये जाते हैं।

संस्कृति संचालनालय

भाग–एक

संस्कृति और साहित्य का संवर्धन, संरक्षण, विस्तार और विकास के लिये बहुआयामी कार्य, साथ ही राजभाषा हिन्दी के संरक्षण और प्रचार–प्रसार की गतिविधियां भी की जा रही हैं। मध्यप्रदेश शासन की संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रतिबद्धता के अनुरूप महत्वपूर्ण कार्यों के उत्तरदायित्व का निर्वहन, संस्कृति से संबंधित नीतिगत मामले और नीति निर्धारण, साहित्य और कला का विकास, सांस्कृतिक परम्परा का संरक्षण, हिन्दी भाषा का प्रयोग और उसका विकास, शैक्षणिक संस्थाओं में हिन्दी भाषा का प्रयोग तथा उसका विकास, जिला गजेटियरों का लेखन, प्रकाशन और पुर्नमुद्रण, अभावग्रस्त कलाकारों साहित्यकारों को पेंशन और आर्थिक सहायता, अशासकीय साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्थाओं को प्रोत्साहन और आर्थिक सहायता, चयनित कलाकारों, साहित्यकारों के सम्मान के साथ ही राजकाज में हिन्दी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने, प्रदेश के जिलों की महत्वपूर्ण एवं समग्र जानकारी गजेटियर के रूप में संकलित करने के साथ साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाता है।

संस्कृति संचालनालय का स्वीकृत सेट–अप

क्र.	कार्यालय	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	चतुर्थ श्रेणी	योग
1.	संस्कृति संचालनालय	3	5	18	11	37
2.	महाविद्यालय	22	27	214	46	309
3.	रवीन्द्र भवन	–	1	12	9	22
	योग	**25**	**33**	**244**	**66**	**368**

स्वीकृत सेटअप के अतिरिक्त संचालनालय में सुपरन्यूमेरेरी पदों पर 06 कर्मचारी कार्यरत हैं।

भाग–दो

बजट प्रावधान

वर्ष 2016–17

(राशि लाख में)

शीर्ष	बजट आवंटन 2016–17			व्यय 2016–17		
	आयोजनेत्तर	आयोजना	योग	आयोजनेत्तर	आयोजना	योग
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	2944.83	2771.85	5616.68	1194.41	1832.15	3026.56
2205(800) अन्य व्यय	5812.50	460.01	6272.51	4725.00	414.00	5139.00
2217 शहरी विकास	200.00	–	200.00	70.00	–	70.00
3454 गजेटियर	–	37.98	37.98	–	22.83	22.83
4202 पूंजीगत परिव्यय	–	3520.03	3520.03	–	1870.00	1870.00
41–आदिवासी उपयोजना	–	2007.73	1690.01	–	1451.00	1451.00
64–विशेष घटक योजना	–	440.01	440.01	–	396.00	396.00
मांग संख्या–71–2217–शहरी विकास (800) अन्य व्यय	–	647.00	647.00	–	647.00	647.00
मांग संख्या–53–2217–शहरी विकास (800) अन्य व्यय	–	1000.00	1000.00	–	1000.00	1000.00
संचालनालय योग	**8957.33**	**10884.60**	**19841.93**	**8804.59**	**9439.16**	**18243.75**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	274.31	–	274.31	222.22	–	222.22
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	738.05	–	738.05	581.88	–	581.88
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	15.00	–	15.00	6.76	–	6.76
महाविद्यालय योग	**1027.36**	–	**1027.36**	**810.86**	–	**810.86**
विभागाध्यक्ष कुल योग	**9984.69**	**10884.60**	**20869.29**	**9615.45**	**9439.16**	**19054.61**

बजट प्रावधान

वर्ष 2017–18

(राशि लाख में)

शीर्ष	बजट आवंटन 2017–18			वास्तविक व्यय 2017–18		
	सेगमेंट 8888	सेगमेंट 0101	योग	सेगमेंट 8888	सेगमेंट 0101	योग
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	5482.20	12577.80	18060.00	4795.63	12033.50	16829.13
2217 शहरी विकास	116.00	–	116.00	94.50	–	94.50
3454 गजेटियर	–	41.34	41.34	–	31.74	31.74
4202 पूंजीगत परिव्यय	–	2045.54	2045.54	–	1022.07	1022.07
41–आदिवासी उपयोजना	–	1682.50	1682.50	–	1665.08	1665.08
64–विशेष घटक योजना	–	132.01	132.01	–	118.80	118.80
मांग संख्या–33–6500–विशेष पिछड़े जनजातियों का विकास	–	1770.00	1770.00	–	1280.00	1280.00
मांग संख्या–49–6102–अनु जाति सेवा पुरस्कार, पारितोषिक एवं सम्मान	–	10.00	10.00	–	10.00	10.00
संचालनालय योग	**5598.20**	**18259.19**	**23857.39**	**4890.13**	**16161.19**	**21051.32**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	286.30	–	286.30	214.39	–	214.39
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	731.70	–	731.70	646.99	–	646.99
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	55.00	–	55.00	17.80	–	17.80
महाविद्यालय योग	**1073.00**	–	**1073.00**	**879.18**	–	**879.18**
विभागाध्यक्ष कुल योग	**6671.20**	**18259.18**	**24930.38**	**5769.30**	**16161.18**	**21930.48**

बजट प्रावधान एवं व्यय वर्ष 2018–19

शीर्ष	बजट आवंटन 2018–19			व्यय 2018–19		
	सेगमेंट 8888	सेगमेंट 0101	योग	सेगमेंट 8888	सेगमेंट 0101	योग
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	2116.85	8108.30	10225.15	1763.23	7078.05	8841.28
3454 गजेटियर	–	101.68	101.68	–	38.96	38.96
4202 पूंजीगत परिव्यय	–	6550.02	6550.02	–	3680.00	3680.00
0102–आदिवासी उपयोजना	–	1673.27	1673.27	–	1505.92	1505.92
0103–अनु. जाति के लिए विशेष घटक योजना	–	132.01	132.01	–	118.80	118.80
6500–विशेष पिछड़े जनजातियों का विकास	–	1339.00	1339.00	–	1339.00	1339.00
संचालनालय योग	**2116.85**	**17904.28**	**20021.13**	**1763.23**	**13760.73**	**15523.96**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	300.26	–	300.26	237.84	–	237.84
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	852.77	–	852.77	729.48	–	729.48
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	100.00	–	100.00	44.46	–	44.46
महाविद्यालय योग	**1253.03**	–	**1253.03**	**1011.78**	–	**1011.78**
विभागाध्यक्ष कुल योग	**3369.88**	**17904.28**	**21274.16**	**2775.01**	**13760.73**	**16535.74**

भाग–तीन

राज्य योजनाएँ

1.1 अशासकीय संस्थाओं को सहायता – साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और विकास की दिशा में कार्यरत पंजीकृत अशासकीय संस्थाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। इन संस्थाओं को उपलब्ध करायी गयी अनुदान की स्थिति निम्नानुसार है :–

वित्तीय वर्ष	संस्थाओं की संख्या	अनुदान राशि (लाखों में)	रिमार्क
2013–14	311	139.45 लाख	————
2014–15	169	70.85 लाख	————
2015–16	308	166.30 लाख	————
2016–17	259	154.95 लाख	————
2017–18	310	359.25 लाख	————
2018–19	53	67.50 लाख	————

1.2 अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों, कलाकारों को मासिक वित्तीय सहायता – प्रदेश के अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों को जीवन यापन के लिए योजना के तहत प्रतिमाह न्यूनतम रुपये 800/– एवं अधिकतम रुपये 1500/– की सहायता राशि उपलब्ध करायी जाती है। वर्ष 2018–19 में 256 साहित्यकारों/कलाकारों को सहायता राशि उपलब्ध कराई गयी है।

1.3 कलाकार कल्याण कोष से आर्थिक सहायता :– गंभीर रूप से बीमार साहित्यकारों/कलाकारों को इलाज के लिये एकमुश्त अधिकतम रुपये 5000/– की सहायता राशि उपलब्ध करायी जाती है। वर्ष 2018–19 में 26 अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों के सहायता हेतु आवेदन प्राप्त हुये हैं जिस पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

1.4 गजेटियर :– प्रदेश के जिलों की महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय प्रमाणिक जानकारी का संकलन गजेटियर में किया जाता है। भारत शासन की योजना के अनुरूप इन गजेटियरों का लेखन कार्य अंग्रेजी भाषा में किया गया, तदुपरान्त संचालनालय द्वारा इनके हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित कराए गए हैं। संचालनालय द्वारा ब्रिटिश एवं रियासती काल में लिखे गये गजेटियरों एवं इसके समदृश्य पुस्तकों का भी पुनर्प्रकाशन कराया गया है। अब तक अंग्रेजी में पूर्व मध्यप्रदेश के सभी 45 जिलों के 43 गजेटियर, इनमें से 24 जिलों के गजेटियरों के हिन्दी अनुवाद और 13 जिलों के अनुपूरक गजेटियर और 26 ब्रिटिश एवं रियासती काल के गजेटियर समदृश्य पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

1.5 समारोह –

संस्कृति संचालनालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2018–19 में प्रदेश के विभिन्न स्थानों में नीचे उल्लेखित अनुसार महत्वपूर्ण उत्सव एवं समारोह आयोजित किये गये हैं–

संग–प्रसंग–11 (रवीन्द्र भवन), विंध्य महोत्सव (रीवा), भजन संध्या (हाटपिपल्या), बैगा ओलंपिक्स–2018 (बालाघाट), अखिल भारतीय कवि सम्मेलन (हाटपिपल्या), राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान

अलंकरण समारोह (देवास), लोकनृत्य एवं भजन प्रस्तुति (हाटपिपल्या), बुन्देली दमोह महोत्सव (दमोह), सांस्कृतिक संध्या (भोपाल), सामाजिक कुंभ (लहार), विराट गुरुकुल सम्मेलन (उज्जैन), मालवा उत्सव (इंदौर), भक्ति संगीत (सुल्तानपुर), गीत संगीत (इंदौर), सांगीतिक प्रस्तुति (मुख्यमंत्री कार्यालय), बाणभट्ट लोककला एवं नाट्य समारोह (सीधी), गंगा दशहरा आयोजन (उज्जैन), भक्ति गायन (बैरसिया), भक्ति संगीत संध्या (सुल्तानपुर), सांस्कृतिक समारोह (रीवा), भक्ति संगीत/कवि सम्मेलन (उमरावगंज), लोकोत्सव (हाटपिपल्या), भक्ति गायन (मण्डीदीप), महाराजा छत्रसाल महोत्सव (मऊसहानियाँ), सांस्कृतिक संध्या (पन्ना), भक्ति गायन संध्या (ग्वालियर), यक्षकथी (भोपाल), विश्व योग व संगीत दिवस पर सांस्कृतिक संध्या (सभी संगीत एवं ललित कला संस्थान सहित भोपाल में), सुरयात्रा (उज्जैन), राष्ट्रीय कालिदास सम्मान–रूपंकर कलाएँ–अवार्ड (नई दिल्ली), राष्ट्रभक्ति गीतों की प्रस्तुति (छिंदवाड़ा), राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष–2014 (मुम्बई), राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान वर्ष 2015 (कानपुर), आयकर दिवस समारोह (रवीन्द्र भवन), गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांगीतिक प्रस्तुति (सभी संगीत एवं ललित कला संस्थानों में), राष्ट्रीय कबीर सम्मान वर्ष 2015 (त्रिचूर), किशोर जन्मोत्सव (बुरहानपुर), गीत संगीत संध्या (बाड़ी), स्व. किशोर कुमार स्मृति समारोह (भोपाल), फिल्म फेस्टिवल (भोपाल), किशोर नाइट प्रोग्राम (खण्डवा), देशभक्ति गायन (कीरतनगर), कुलभूषण दलौरी प्रसंग (भोपाल), हरियाली महोत्सव (भोपाल), सेमीनार एवं संगोष्ठी (भोपाल), देशभक्ति गायन (सुल्तानपुर), भक्ति संगीत संध्या (दतिया), शब्दराग (भोपाल), श्रद्धांजलि सभा (नेहरू स्टेडियम), साये में धूप (भोपाल), भक्ति संगीत संध्या (मण्डीदीप), जन्माष्टमी समारोह (मुख्यमंत्री निवास), भक्ति गायन समारोह (भोपाल), मध्यप्रदेश नाट्य समारोह (ग्वालियर), कजरी गायन समारोह (भोपाल), भक्ति समारोह (नयागांव), सेमिनार एवं संगोष्ठी (भोपाल), भक्ति समारोह (ओबेदुल्लागंज), काव्यपाठ (ओबेदुल्लागंज/मण्डीदीप), भक्ति समारोह (भोजपुर), भक्ति गायन (सिरोंज), भातखण्डे संगीत समारोह (भोपाल सहित सभी संगीत महाविद्यालयों में), गोहद महोत्सव (गोहद), पर्यटन पर्व (नई दिल्ली), राष्ट्रीय परिसंवाद (राँची), लोकगायन (सुल्तानपुर), राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान अलंकरण समारोह (भोपाल), कवि सम्मेलन (उज्जैन एवं सोहागपुर), भक्ति संगीत संध्या (कुकड़ेश्वर), गीत संगीत संध्या (खण्डवा), रामलीला उत्सव (रवीन्द्र भवन भोपाल), भक्ति संगीत संध्या (भोपाल), भक्ति पर्व (सुल्तानपुर), भक्ति संगीत संध्या (मानव संग्रहालय), नर्मदा महोत्सव (भेड़ाघाट), शरदोत्सव (चित्रकूट), मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह (रवीन्द्र भवन भोपाल), भिखारी ठाकुर शताब्दी समारोह (मण्डीदीप), महाबोधि महोत्सव (साँची), हृदय दृश्यम (शौर्य स्मारक, भारत भवन, मिण्टो हॉल, इकबाल मैदान, भोपाल), राष्ट्रीय तानसेन एवं राजा मानसिंह तोमर सम्मान अलंकरण समारोह (ग्वालियर), पचमढ़ी उत्सव (पचमढ़ी) एवं गढ़कुण्डार महोत्सव (गढ़कुण्डार), अखिल भारतीय कवि सम्मेलन (भोपाल), गणतंत्र दिवस समारोह–2019 (लाल परेड भोपाल) एवं भारत पर्व (नई दिल्ली) इत्यादि।

1.6 सम्मान – साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, सामाजिक समरसता, सद्भाव आदि बहुआयामी क्षेत्रों में उत्कृष्टता, सृजनात्मकता और बहुउल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान संस्कृति संचालनालय के अंतर्गत स्थापित किये गये हैं। वर्ष 2018–19 के राष्ट्रीय सम्मान प्रक्रियाधीन है।

1.7 कला पंचाग – संचालनालय द्वारा वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी देने के लिए एक आकर्षक कैलेण्डर कला–पंचांग का प्रकाशन भी किया जाता है, जिसमें प्रदेश में कब–कब, कहाँ–कहाँ एवं कौन–कौन से कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं का वर्णन होता है। यह कैलेण्डर बहुरंगी, नयनाभिराम एवं राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सचित्र दर्शाता है।

1.8 वेबसाइट – समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप विभाग के समग्र आकार को देखने, जानने तथा उससे जुड़ने की दृष्टि से संस्कृति विभाग की एक वेबसाइट बनायी गयी है, जिसको और अधिक कलात्मक, सुसज्जित एवं समृद्ध किया गया है। इस वेबसाइट www.culturemp.in के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, सक्रियता एवं उपक्रमों को दुनिया भर में देखा और जाना जा सकता है।

1. रवीन्द्र भवन

राजधानी भोपाल में रवीन्द्र भवन, सभागृह एवं मुक्ताकाश मंच सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियाँ संचालित करने का एक सर्वसुविधायुक्त केन्द्र है। सभागृह में 510 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। इस सभागृह के अलावा परिसर में एक मुक्ताकाश मंच है, जिसमें भव्य आयोजन होते हैं। रिनोवेशन अंतर्गत इसके मंच का जीर्णोद्धार कर बैठक व्यवस्था ठीक की गयी है। वर्ष 2018–19 में 261 कार्यक्रम सभागृह/मुक्ताकाश मंच पर आयोजित किये गये।

भावी लक्ष्य

नवीनीकृत रवीन्द्र भवन सभागृह एवं मुक्ताकाश मंच को भोपाल के कला प्रेमियों के लिये अधिक सुविधाजनक एवं आधुनिकता से परिपूर्ण कर उपलब्ध कराया जा रहा है। 1500 क्षमता का नवीन रवीन्द्र भवन सभागृह निर्माणाधीन है।

नवीनीकृत सभागृह को आरामदायक कुर्सियों, नवीन ए.सी., साउण्ड एवं लाईट की अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया गया है। उच्च स्तरीय एकॉस्टिक कार्य के साथ ही महिला एवं पुरुष प्रसाधनों को आधुनिकीकृत कर सर्वसुविधायुक्त बनाया गया है।

रवीन्द्र भवन, भोपाल को तीन वर्षों में प्राप्त बजट आवंटन राशि एवं व्यय राशि का विवरण पत्रक

क्र.	वर्ष एवं शीर्ष	बजट आवंटन राशि	व्यय राशि	प्राप्त आय
1.	**2016–17–2205** (102) आयोजनेत्तर मद	1,14,91,000.00	77,08,302.00	32,73,453.00
	6042 आयोजना मद (32–000) ल.नि.कार्य	3,25,00,000.00	1,34,27,206.00	–
3.	**2017–18–2205** (6042) आयोजना	2,34,00,000.00	1,16,34,903.00	8,04,106.00
	32 लघु निर्माण कार्य	3,00,00,000.00	3,00,00,000.00	–
4.	**2018–19–2205 (6042) आयोजना**			
	32 लघु निर्माण कार्य (6042)	3,35,76000.00	1,11,27,695.00	33,72,50.00
	वेतन भत्ते 11 (6042)	69,21,000.00	63,45,403.00	
	कार्यालयीन व्यय 22 (6042)	35,95,000.00	31,85,427.00	
	व्यवसायिक सेवायें 31 (6042)	12,50,000.00	11,00,127.00	

2. शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के नियंत्रणाधीन एवं संस्कृति संचालनालय के अन्तर्गत प्रदेश के 07–शासकीय संगीत महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में संगीत से संबंधित समस्त विषय/विधा {गायन, हारमोनियम, तबला, सितार, वायलिन, सारंगी एवं नृत्य (कथक)} में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा (विद् एवं कोविद), स्नातक एवं स्नातकोत्तर में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है :–

अ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1918** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। महाविद्यालय द्वारा प्रतिमाह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर वर्ष 2018 को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया गया है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

ब. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1935** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

स. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, उज्जैन** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1926** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय का स्वयं का भवन नहीं है। महाविद्यालय विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के भवन में विश्वविद्यालय परिसर में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शा. संगीत महाविद्यालय, उज्जैन का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा एवं एम.म्यूज(गायन) की डॉ. सुचिता चांदोरकर एवं श्रीमती ललिता पांडे को स्वर्ण पदक एवं कथक तथा हारमोनियम की 3 विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में रहे।

द. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1941** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शा. संगीत महाविद्यालय, मंदसौर का रिजल्ट 93.82 प्रतिशत रहा।

इ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1945** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय जिला प्रशासन के भवन में संचालित है। प्रतिवर्ष जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल माण्डू में होने वाले **''माण्डू महोत्सव''** एवं अन्य कार्यक्रमों में महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा तैयार सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजित की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार का रिजल्ट 87.27 प्रतिशत रहा।

फ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1956** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। साथ ही विश्व प्रसिद्ध **''मैहर वाद्यवृंद(मैहर बैण्ड)''** भी इसी महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित है जिसकी स्थापना वर्ष 1918 में उस्ताद अलाउद्दीन खां साहब द्वारा की गई थी। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में **शा. संगीत महाविद्यालय, मैहर** का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

ज. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1947** में हुई। विगत 3 वर्ष से महाविद्यालय जिला प्रशासन द्वारा आवंटित भवन में संचालित है। इसके पूर्व महाविद्यालय किराये के भवन में संचालित होता था। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में **शा. संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़** का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

इसी प्रकार प्रदेश में **04–शासकीय ललित कला महाविद्यालय** संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में **ललित कला** से संबंधित समस्त विषय/विधा **{चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिक कला}** में **स्नातक एवं स्नातकोत्तर** में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है :–

अ. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1954** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शहर की दीवारों को स्वच्छ रखने के लिए चित्रकला हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सदैव सहयोग प्रदान किया जाता है। साथ ही समय–समय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा।

ब. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, इंदौर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1927** में हुई। महाविद्यालय का स्वयं का भवन नहीं है। विगत 5 वर्षों से महाविद्यालय इंदौर विकास प्राधिकरण के भवन में किराये पर संचालित है। महाविद्यालय के स्वयं के भवन का नवीनीकरण संबंधी कार्य जिला प्रशासन एवं शासन स्तर पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, इंदौर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा एवं बी.एफ.ए (अंतिम) व्यवहारिक कला में सुश्री प्रियंका बावसे ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं 5 विद्यार्थी प्राविण्य सूची में रहे।

स. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1939** में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय जिला प्रशासन के अन्तर्गत शासकीय विद्यालय के भवन में संचालित है। प्रतिवर्ष जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल माण्डू में होने वाले **''माण्डू महोत्सव''** में महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों की चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

द. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, जबलपुर** :– महाविद्यालय की **स्थापना वर्ष 1961** में हुई। विगत वर्ष तक महाविद्यालय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के भवन में संयुक्त रूप से संचालित था। वर्तमान में सांस्कृतिक कला संकुल के भवन में महाविद्यालय संचालित किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, जबलपुर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

इ. **शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा** :– प्रदेश का प्रथम संयुक्त (संगीत एवं ललित कला) रूप से संचालित महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2010 में हुई है। जिसमें संगीत(डनेपब) से संबंधित समस्त विषय/विधा **{गायन, हारमोनियम, तबला, सितार, वायलिन, सारंगी एवं नृत्य(कथक)} में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा (विद् एवं कोविद), स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं ललित कला** (Fine Arts) से संबंधित समस्त विषय/विधा **{चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिक कला}** में **स्नातक एवं स्नातकोत्तर** में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 में **शा. संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा** का रिजल्ट 90 प्रतिशत एवं बी.म्यूज (गायन) में सुश्री श्रेजल लाड़ को गोल्ड मेडल एवं 19 विद्यार्थियो का मेरिट में चयन हुआ।

विशेष कार्य/कार्यशाला :– प्रतिवर्ष समस्त संगीत महाविद्यालयों में अन्तर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस, गुरू पूर्णिमा, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति संगीत समारोह का आयोजन कर शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित कर प्रस्तुति दी जाती हैं। इसी प्रकार शासकीय ललित कला महाविद्यालयों में इस अवसर पर प्रसिद्ध चित्रकारों के चित्रों की प्रदर्शनी, डेमोन्स्ट्रेशन, व्याख्यान का आयोजन किया जाता है।

संगीत शिक्षा महाविद्यालयों ने शासन द्वारा आयोजित भारत पर्व एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महाविद्यालय की भागीदारी, निर्वाचन कार्यालय के निर्देशानुसार मतदाता जागरुकता हेतु गीत तैयार करना, बसंत पंचमी के अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा गायन, वादन व कथक का कार्यक्रम की प्रस्तुति, हरियाली अमावस्या पर निमाड़ी गायन का आयोजन, अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अन्तर्गत नांदी, भरतनाट्यम व कीर्तिगान की प्रस्तुति, अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल एवं शैव महोत्सव के कार्यक्रमों में महाविद्यालय की सहभागिता एवं निर्देशानुसार अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

ललित कला शिक्षा महाविद्यालयों ने गणेश जयंती के अवसर पर ललित कला के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गयी गणेश जी की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी आयोजित की गई, महात्मा गाँधी के 150 वीं जयंती के अवसर पर ''महात्मा'' का आयोजन एवं प्रदर्शनी का आयोजन, ''विवेकानंद जयंती'' के अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर राष्ट्र, संस्कृति और प्रकृति की रंगोली बनायी गई स्वच्छता के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शहर की दीवारों पर प्राकृतिक, धार्मिक पेंटिंग्स बनाई गई, माण्डू में ललित कला के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, स्मार्ट–सिटी के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन, समर केम्प के अन्तर्गत विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न प्रतियोगिता जैसे – बेटी बचाओ, जल–संरक्षण आदि विषयों पर चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन एवं निर्देशानुसार अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

3. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

जुलाई 2008 में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापना की गई। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में वृद्धि कर सम्पूर्ण भारत में करने हेतु विश्वविद्यालय प्रयासरत है।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु कुल भूमि 20 एकड़ विश्वविद्यालय को राज्य शासन द्वारा आवंटित की गई। विश्वविद्यालय विकास एवं निर्माण कार्यों के अंतर्गत ऑडिटोरियम निर्माण, अकादमिक भवन निर्माण, बालक–बालिका छात्रावास, कुलपति–कुलसचिव आवास, शिक्षक एवं कर्मचारी आवास तथा अतिथि आवास गृह का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें अनुमानित 11.50 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक सभागृह निर्माण प्रस्तावित है एवं राशि रुपये 72 करोड़ की लागत से परिसर का विस्तार प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय के समस्त स्टॉफ की उपस्थिति के लिये बायोमेट्रिक मशीन स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय परिसर में स्टाफ विद्यार्थियों एवं आगंतुकों के वाहनों के लिये पार्किंग का निर्माण एवं विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रवेश द्वार एवं वाहन पार्किंग तक नवीन सड़क का निर्माण कार्य राशि रूपये 40 लाख से लोक निर्माण विभाग के माध्यम से करवाया गया है।

विश्वविद्यालय हेतु 40 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शैक्षणिक व्यवस्था हेतु 20 शैक्षणिक पदों की भी स्वीकृति प्राप्त हुई थी। विश्वविद्यालय द्वारा कुल 10 पदों पर नियुक्तियां की जा

चुकी हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु कतिपय अतिरिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्रस्तावित की गयी है।

वर्ष 2008–09 में 18 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध थे जो अब बढ़कर कुल–159 हो गए हैं। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय अध्ययनशाला में संचालित संकायों संगीत, नृत्य, ललित कला, परफॉर्मिंग आर्ट्स संकाय, कला संकाय, फिल्म मेकिंग संकाय एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत वर्ष 2008–09 में 1761 विद्यार्थी अध्ययनरत थे जो अब बढ़कर लगभग 25,000 हो गए हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय की अध्ययनशाला के अंतर्गत संचालित संकायों में लगभग 43 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं और शासन से इस वर्ष 11 नवीन पाठ्यक्रमों को संचालित करने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। विश्वविद्यालय एवं इससे संबद्ध महाविद्यालयों में नवीन प्रवेश एवं परीक्षा संबधी प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाईन किया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा ध्रुपद केन्द्र का संचालन हस्सू हद्दू खां सभागार, ग्वालियर में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। ध्रुपद केन्द्र के छात्र–छात्राओं ने कई उत्सवों में प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर कई उच्चस्तरीय प्रस्तुतियाँ दी हैं जो सराही गयी हैं एवं केन्द्र के छात्रों को ए.आई.आर. द्वारा ग्रेडेड भी हुये है।

इस वर्ष राष्ट्रीय संगीत एवं कला समागम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निरंतर 27 घण्टे चला। इस कार्यक्रम में देश विदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों सहित विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक कलाकारों की भी प्रस्तुतियाँ रहीं।

तानसेन जन्मस्थली बेहट में संगीत एवं कला महाविद्यालय स्थापित किए जाने का प्रस्ताव प्रचलन में है।

विश्वविद्यालय में शोधकार्य हेतु प्रवेश परीक्षा वर्ष 2017–18 में 161 आवेदन प्राप्त हुए। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के उपरांत वर्ष 2017–18 में शोध कार्य हेतु 26 शोधार्थियों का चयन हुआ है।

विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन दिनांक–28 फरवरी 2019 को हुआ जिसकी अध्यक्षता माननीय राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में माननीय संस्कृति एवं चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष मंत्री सुश्री विजयलक्ष्मी साधौ जी द्वारा शिरकत की गई। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा 04 छात्रों को शोध उपाधि एवं वर्ष 2016–17 के लिए 17, वर्ष 2017–18 के लिए 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की गईं ।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 12 बी योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय में 29 एवं 30 मार्च 2019 को आयोग द्वारा गठित समिति द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया। समिति द्वारा विश्वविद्यालय को 12 बी योजना में शामिल किये जाने की संस्तुति भी समिति द्वारा प्रदाय की गई है।

4. सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2012 में गठित सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। बौद्ध एवं भारतीय दर्शन के विभिन्न आयामों पर गहन शोध एवं उच्चस्तरीय अध्ययन के उद्देश्य से स्थापित सांची विश्वविद्यालय में जुलाई, 2018 से तीसरा अकादमिक सत्र प्रारंभ हुआ। इस सत्र में Indo-Tibetan Border PolicE (ITBP) द्वारा चीनी भाषा पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु 19 अधिकारियों/जवानों का दाखिला कराया गया है।

2018 में विश्वविद्यालय ने पाली भाषा में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। विश्वविद्यालय में भारतीय दर्शन, बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, आयुर्वेद, योग, संस्कृत, भारतीय चित्रकला, हिन्दी एवं अंग्रेजी

में पी.एच.डी, एम.फिल, एम.ए./एम.एस.सी. एवं चीनी भाषा प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है, जिनमें लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के द्वारा शोधार्थियों/विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।

वर्ष 2018–19 में आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा में विश्वविद्यालय के आठ छात्र–छात्राएँ चयनित हुए। जिसमें योग विभाग के दो, हिन्दी विभाग के दो, बौद्ध अध्ययन के तीन एवं इंडियन पेन्टिंग की एक छात्रा शामिल है। चित्रकला विभाग के एक छात्र ने AIFACS (All India Fine Arts & Craft Society, New Delhi) का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है।

विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित चिकित्सा एवं भोजन पर आधारित पुणे के प्रसिद्ध डॉक्टर प्रवीण चौरड़िया का "Medicine Free Life" पर केन्द्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 से 25 जून, 2018 तक 'योग' कार्यशाला में 'विश्व योग' अन्तर्गत योगनिद्रा एवं अंतमौन, योगाभ्यास के सामान्य नियम, लाभ एवं सावधानियों पर चर्चा की गई।

23 से 29 अगस्त के मध्य संस्कृत सप्ताह में NCERT के प्रो. जतिन्द्र मोहन मिश्रा द्वारा "Sanskrit Grammatical Tradition" पर विशिष्ट व्याख्यान तथा ओडिशा के श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. ब्रजकिशोर स्वाई द्वारा "कल्पसूत्र" पर व्याख्यान हुआ। नागपुर के कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने "Research for Resurgence" पर बात रखी।

विश्वविद्यालय में 25 से 29 सितम्बर तक 'आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन का लेखन' पर पाँच दिवसीय कार्यशाला में भारतीय दर्शन की नवीन अध्ययन–अध्यापन सामग्री का निर्माण एवं संग्रह के उद्देश्य पर विचार–मंथन किया गया। भारतीय इतिहास अनुसंधान– नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अरविन्द जामखेड़कर की मौजूदगी में 15 सत्रों में 33 प्रबुद्ध वक्ताओं ने पुरातत्व, इतिहास एवं मौलिक शास्त्रों के अनुशीलन आदि पर नवीन शोधों को आधार बनाकर नये ग्रन्थों की आवश्यकता प्रतिपादित की। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् द्वारा समर्थित कार्यशाला का समापन माननीया राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म–धम्म सम्मेलन की पांचवीं कड़ी में 17 से 19 दिसम्बर तक विभिन्न देशों से पधारे 34 प्रबुद्धजनों समेत देशभर के 130 विद्वानों ने 'शाक्त तंत्र एवं श्रीविद्या' के विभिन्न पहलुओं पर शोध–पत्र एवं विचार प्रस्तुत किये। तंत्र और श्रीविद्या पर अपनी तरह के पहले आयोजन में केरल के केवलम श्री कुमार पणिक्कर का शास्त्रीय गायन एवं कर्नाटक के पंडित गनपति भट्ट हसनागी द्वारा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया गया।

जापान के ताइशो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रियोजुन सातो ने साँची विश्वविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों को विशेष व्याख्यान में संबोधित करते हुए जापान के बौद्ध अध्ययन से संबंधित विश्वविद्यालयों के साथ सांची विश्वविद्यालय के संबंध स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नासा के वैज्ञानिक प्रो. नारायण स्वामी ने "Wisdom of Vedas" पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के वैदिक अध्ययन विभाग ने जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रो. गिरीशनाथ झा का "Digital Heritage & Computational Tools" पर व्याख्यान आयोजित किया। केन्द्रीय ग्रन्थालय में "शिक्षा और विचार में स्वावलंबन" पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वी.के. त्रिपाठी का व्याख्यान हुआ।

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग ने पारमिता भित्ति पत्रिका का नवीन अंक जारी किया। हिन्दी के सुप्रसिद्ध लेखक श्री विजयबहादुर सिंह के हिंदी दिवस पर विशेष वक्तव्य के साथ ही विभाग में विभिन्न परिचर्चाएँ, वाद–विवाद प्रतियोगिताएँ, निबन्ध, भाषण, पोस्टर एवं स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

मध्यप्रदेश की माननीया राज्यपाल महोदया (विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष) की पहल पर रायसेन जिले के ग्राम–बिलारा को गोद लिया गया। बिलारा गाँव में स्वास्थ्य शिविर, खेल शिविर के साथ ही विश्वविद्यालय के आयोजनों में गांव के बच्चों को आमंत्रित किया गया।

'वार्षिक खेलोत्सव' में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैम्पियन रहा। खेल उत्सव में क्रिकेट, वॉलीबॉल, बेडमिंटन, रस्साकशी, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, केरम, शतरंज की प्रतियोगितायें आयोजित की गईं।

कश्मीर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले 135 छात्रों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इन छात्रों ने विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ मुलाकात कर एक दूसरे की संस्कृति, शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और संस्थाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद ने विभिन्न देशों के अध्ययन केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय को आवंटित 100 एकड़ भूमि से लगी अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। साधारण परिषद ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना एवं उपदान सुविधा का भी निर्णय किया।

शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन में सहायता तथा उच्चकोटि के शोध हेतु प्रोत्साहन स्वरुप प्रत्येक पी.एच.डी शोधार्थी को 14000/– रु. प्रतिमाह एवं एम.फिल शोधार्थी को 8000/– रु. प्रतिमाह की छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके अलावा एम.ए./एम.एस.सी पाठ्यक्रम में मेरिट आधार पर चयनित छात्रों को विशेष छात्रवृत्ति दी जाती है। संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडिक अकादमी द्वारा विश्वविद्यालय में संस्कृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के पांच छात्रों को 5,000/– रु. प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जा रही है।

5. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद को साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों को संचालित करने के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा नियमित अनुदान दिया जाता है। परिषद के अंतर्गत कार्यरत अकादमियों द्वारा संस्कृति विभाग के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुरूप कला और साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए कार्य किये जाते हैं। परिषद अपने अनुषंगों के माध्यम से विभाग के लिए निर्धारित विभागीय योजनाओं को विस्तार देते हुए मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के अन्तर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, साहित्य अकादमी, कालिदास संस्कृत अकादमी, सिंधी साहित्य अकादमी, मराठी साहित्य अकादमी, भोजपुरी साहित्य अकादमी, पंजाबी साहित्य अकादमी एवं मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय कार्यरत हैं। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी का विलय किया गया है।

(1) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी–भोपाल

अकादमी द्वारा वित्तीय वर्ष 2018–19 में अपनी प्रकृति अनुरूप विभिन्न सांगीतिक एवं अन्य कलाओं पर केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन एवं समन्वय किया गया है, जिनमें शास्त्रीय संगीत–नृत्य प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह नाना साहेब पानसे, उस्ताद लतीफ खाँ की स्मृति में दुर्लभ वाद्य प्रसंग, पं. नंदकिशोर शर्मा स्मृति समारोह, राग अमीर समारोह, गढ़कुण्डार महोत्सव, विरासत महोत्सव, पण्डित कृष्ण राव शंकर पण्डित स्मृति समारोह, तानसेन समारोह ग्वालियर, खजुराहो नृत्य समारोह खजुराहो, अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह मैहर, कुमार गंधर्व समारोह देवास, राग अमीर समारोह इंदौर इत्यादि प्रमुख समारोह हैं।

अकादमी के अन्तर्गत दो प्रमुख संगीत केन्द्र :–

ध्रुपद केन्द्र, भोपाल/ग्वालियर :– हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विशुद्ध एवं अत्यन्त प्राचीन गायन शैली ध्रुपद के नाम से विख्यात है। इस केन्द्र में गुरु–शिष्य परम्परा के अंतर्गत छात्रवृत्ति पर विद्यार्थियों को ध्रुपद गायन का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपाल :– रायगढ़ घराने के महान नृतक महाराज चक्रधर सिंह की स्मृति में कथक नृत्य शैली की शिक्षा लगभग चार दशकों से अकादमी द्वारा गुरु–शिष्य परम्परा के अन्तर्गत प्रदान की जा रही है। चक्रधर नृत्य केन्द्र से अनेक छात्राओं ने कथक नृत्य में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(2) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल

अकादमी मध्यप्रदेश में निवासरत जनजातीय और लोक संस्कृति विषयक सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, प्रकाशन और समारोहों के आयोजन करती है। उक्त कार्य के विस्तार अन्तर्गत मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय–भोपाल, आदिवर्त जनजातीय और लोक कला राज्य संग्रहालय–खजुराहो, तुलसी शोध संस्थान–चित्रकूट, त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय–उज्जैन और सर्वांग श्रीकृष्ण द्वारा सीखी कलाओं की दीर्घा का संचालन उज्जैन में किया जा रहा है। पारम्परिक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा बोलियों के विकास अन्तर्गत पुस्तक, पुस्तिकाओं एवं पत्रिका का नियमित प्रकाशन होता है।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में अकादमी द्वारा विभिन्न प्रकृति के आयोजनों के अन्तर्गत तुलसी पर्व–उज्जैन, तुलसी जयन्ती समारोह–चित्रकूट, तुलसी उत्सव रघुनाथ गाथा–चित्रकूट, जनजातीय चित्र प्रदर्शनी–खजुराहो, जनजातीय चित्र शिविर–खजुराहो, नदी महोत्सव–मण्डलेश्वर, जनरंजन समारोह–हरदा, इंदल उत्सव–बड़वानी, माच समारोह–उज्जैन, शरदोत्सव–चित्रकूट, निमाड़ उत्सव–महेश्वर, लोकरंग समारोह–भोपाल, राष्ट्रीय शिल्प मेला–भोपाल, विविधा प्रदर्शनी–भोपाल, पहचान समारोह–दमोह और महाबोधि–साँची आयोजित किए गए हैं।

चौमासिक पत्रिका **चौमासा** के तीन अंकों क्रमशः 106, 107 और 108 का प्रकाशन, **वृक्ष की उत्पत्ति कथाएँ**, **देवी गीत** और **रामा भील** अनुषंग पुस्तिकाएँ, **नाग केसर**, **फाग–फुहार**, **त्रिवेणी के लोक देव, कर्मा गीत, बुन्देली के होली गीत, विष्णोई संत परमानन्द बणिहाल, मालवा के भित्ति चित्र**, देवी के 108 स्वरूप आधारित हिन्दी और अंग्रेजी में पृथक–पृथक **देवी** पुस्तकें, श्रीकृष्ण द्वारा सीखी चौदह विद्याओं और चौसठ कलाओं आधारित पुस्तक **सर्वांग** (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) तथा **संस्कृति सलिला नर्मदा, वृक्ष पुराण, कालदर्शन, कहे जन सिंगा** और **सम्पदा** पुस्तकों का पुनर्प्रकाशन किया गया है।

सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण अन्तर्गत मध्यप्रदेश की सभी प्रमुख जनजातियों क्रमशः बैगा, भारिया, सहरिया, भील, कोरकू, कोल और गोण्ड के अलग–अलग पक्षों पर आधारित फिल्मांकन कार्य, अवसरानुकूल गाये जाने वाले गीतों का ध्वन्यांकन और मौखिक साहित्य का संकलन किया गया है। प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों क्रमशः बैगा, सहरिया और भारिया जनजातियों के विशाल सांस्कृतिक संदर्भ केन्द्रों की स्थापना हेतु कार्यवाही प्रचलन में है। भील बहुल क्षेत्र धार में भील जनजातीय संस्कृति संदर्भ केन्द्र की स्थापना माण्डू का कार्य भी प्रचलन में है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल

जनजातीय जीवन, देशज ज्ञान परम्परा और सौन्दर्यबोध पर एकाग्र संग्रहालय भोपाल में संचालित है। संग्रहालय में वर्तमान में पाँच दीर्घाएँ संचालित हैं जो क्रमशः जनजातीय जीवन, कलाबोध, देवलोक, छत्तीसगढ़ तथा जनजातीय बाल खेलों पर आधारित हैं। संग्रहालय में विभिन्न गतिविधियाँ वर्ष भर संचालित रहती हैं। विविध माध्यमों के शिविर संग्रहालय को समृद्ध करने तथा रख–रखाव एवं सज्जा की दृष्टि से संचालित होते हैं। वित्तीय वर्ष 2018–19 में गोण्ड जनजातीय के मूलाधारी आख्यान गोण्डवानी और रामायणी का चित्रांकन, गोण्ड जनजातीय में प्रचलित नर्मदा की कथा का चित्रांकन, संग्रहालय का वर्षगांठ समारोह प्रत्येक शुक्रवार को रंग प्रयोगों के प्रदर्शन केन्द्रित समारोह अभिनयन, अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय दिवस अवसर पर समारोह, परम्परा में नव प्रयोगों एवं नवांकुरों के लिये प्रत्येक रविवार को उत्तराधिकार समारोह, जातक समारोह, बच्चों केन्द्रित उल्लास समारोह, निर्गुण समारोह, पुतुल समारोह, सिद्धा समारोह, खेल शिविर आदि गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं। संग्रहालय का 1,79,984 देशी पर्यटकों, 1155 विदेशी पर्यटकों ने अवलोकन किया है।

संग्रहालय के विस्तार अन्तर्गत स्वर्गीय जनगण सिंह श्याम की स्मृति में पाटनगढ़ (डिण्डोरी) में कला केन्द्र की स्थापना, रायसेन के गोण्ड बहुल क्षेत्र सुल्तानपुर में गोण्ड कला केन्द्र की स्थापना और उमरिया में कला केन्द्र की स्थापना के दिशा में कार्यवाही प्रचलन में है।

'त्रिवेणी' कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन

भारतीय ज्ञान परम्परा के त्रित्व शैव, शाक्त और वैष्णव परम्परा की विचार धाराओं की कला अभिव्यक्ति केन्द्रित संग्रहालय त्रिवेणी सिंहस्थ–2016 के अवसर पर लोकार्पित हुआ है। संग्रहालय में इन तीनों ही परम्पराओं की चित्र एवं शिल्प अभिव्यक्तियाँ की गई हैं। एक दीर्घा प्रदर्शनी के लिये है जिसमें समय–समय पर अलग–अलग विषयों को प्रदर्शित किया जाता है। उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में श्रीकृष्ण द्वारा सीखी चौदह विद्याओं और चौसठ कलाओं की दीर्घा सर्वांग नाम से संचालित की जाती है।

वर्ष 2018–19 में संग्रहालय के विस्तार अन्तर्गत अठारह पुराणों में से पन्द्रह पुराणों का भारतीय लोक चित्र शैलियों में चित्रांकन कार्य आरंभ किया गया है। अवशेष तीन पुराण आगामी वित्तीय वर्ष में चित्रांकित कराये जा सकेंगे। सभी पुराण अलग–अलग चित्र शैलियों में चित्रित कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। यह अपने आप में देश का पहला प्रयास है। संग्रहालय में प्रत्येक माह शैव, शाक्त और वैष्णव ज्ञान धाराओं के विविध विषयों आधारित व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। नवरात्रि के अवसर पर पाँच दिवसीय लीला प्रस्तुति, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ललित पर्व, महाशिव रात्रि के अवसर पर महोत्सव और सिद्धा समारोह का आयोजन किया गया है।

(3) साहित्य अकादमी, भोपाल

साहित्य अकादमी द्वारा वर्षभर हिंदी साहित्य के मूर्धन्य विद्वानों/लेखकों/साहित्यकारों/कवियों एवं संतों पर विविध स्वरूप के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। बुन्देलखण्ड अंचल के ऐतिहासिक स्थल ओरछा में केशव जयंती समारोह का आयोजन 1987 से स्थानीय प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। मध्यप्रदेश होशंगाबाद में जन्मे पंडित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय धारा के कवि हैं। प्रदेश एवं हिन्दी साहित्य के कालजयी कवि पंडित चतुर्वेदी के नाम पर वर्ष 1987 से प्रारंभ किए गये इस आयोजन की सार्थकता, प्रदेश और स्थानीय जनमानस के लिए प्रभावी रहती है। हिन्दी आलोचक डॉ. रामविलास शर्मा के नाम पर समकालीन आलोचना की स्थिति, उसकी दिशा और साहित्य के महत्त्व

पर प्रदेश और देश के युवा और ख्यातिनाम समकालीन रचनाकारों और आलोचकों द्वारा विचार विमर्श किया जाता है। सृजन–संवाद (अनुसूचित जनजाति के रचनाकारों की कार्यशाला) प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के रचनाकारों की बहुलता है। साहित्य अकादमी इन रचनाकारों को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रतिवर्ष करती है। क्रांतिकारियों पर विशेष महाकाव्य लिखने वाले श्रीकृष्ण सरल पर वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। ये अमर शहीदों के कवि के रूप में विख्यात हैं। संस्कृति विभाग के द्वारा आयोजित कवि सम्मेलनों में दिवंगत कवियों पंडित ओम व्यास ओम एवं श्री लाड़ सिंह गुर्जर स्मृति कवि सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं।

श्री हरिशंकर परसाई प्रदेश ही नहीं देश के ख्यातिनाम व्यंग्यकार रहे हैं। देश के शीर्षस्थ व्यंग्यकार श्री परसाई के नाम पर 1986 से स्मृति समारोह आयोजित हो रहा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्मदिन 3 अगस्त 'कवि दिवस' के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। वर्ष 1988 से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय काव्य धारा की प्रमुख कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। ख्यातिनाम व्यंग्यकार श्री शरद जोशी की स्मृति में वर्ष 2002 से एक आयोजन की स्थापना की गई है। इस समारोह के अंतर्गत प्रदेश और देश के व्यंग्य विधा में रचनारत् चर्चित और युवा रचनाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर आमंत्रित किया जाता है। श्री गजानन माधव मुक्तिबोध के नाम पर 1987 से स्मृति समारोह विमर्श एवं पुनर्पाठ आयोजित किया जा रहा है। रीतिकाल के महत्वपूर्ण कवि पद्माकर जिनका संबंध सागर मध्यप्रदेश से रहा है, के नाम पर यह आयोजन वर्ष 1988 से साहित्य अकादमी लगातार कर रही है। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' जी की स्मृति में वर्ष 1982 से प्रतिवर्ष उनके जन्म दिवस 8 दिसम्बर को नियमित आयोजन किया जा रहा है। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत समकालीनता और आधुनिकता के हिमायती कवि श्री नरेश मेहता जिनका कर्म क्षेत्र भोपाल मध्यप्रदेश रहा है की स्मृति में विमर्श एवं रचना पाठ का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2017 से प्रो. प्रभाकर श्रोत्रिय पर व्याख्यान प्रारंभ किया है। इस वर्ष यह व्याख्यान जिला–उज्जैन में सम्पन्न किया गया। वर्ष 2007 से प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानन्द स्मृति समारोह उनके जयंती के अवसर पर विवेकानंद समारोह आयोजित किया जाता है। यह आयोजन विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में युवा छात्रों, नागरिकों की उपस्थिति में किया जाता है। श्री अरविन्द के चिंतन पर्व एवं विभिन्न भारतीय भाषाओं के विद्वानों का व्याख्यान प्रतिवर्ष कराया जाता है।

साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से गोपाल शरण सिंह स्मृति व्याख्यान प्रारंभ किया गया है। इस वर्ष यह व्याख्यान जिला–रीवा में सम्पन्न किया गया। साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से प्रदेश की साहित्यिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सृजनात्मक–विमर्श दो दिवसीय प्रारम्भ किया गया। इस वर्ष यह आयोजन भोपाल में सम्पन्न हुआ। साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से देश भर की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं के सम्पादकों का सृजनात्मक–विमर्श दो दिवसीय प्रारम्भ किया गया। इस वर्ष यह आयोजन भोपाल में सम्पन्न हुआ। महाकवि भूषण, शिवाजी और छत्रसाल के दरवारी कवि रहे हैं। उनके नाम से भूषण स्मृति समारोह विमर्श एवं रचनापाठ का आयोजन वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष किया जाता है।

साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से संतों पर व्याख्यानमालाओं का आयोजन प्रारंभ किया गया है। जिसमें महर्षि जमदग्नि, महामति प्राणनाथ, महर्षि जाबालि, राजा भर्तहरि, संत सिंगाजी, ऋषि गालव आदि पर व्याख्यान आयोजित किये जा चुके हैं।

पाठकमंच के अंतर्गत वर्ष में एक दर्जन से अधिक साहित्यिक पुस्तकें और कई साहित्यिक पत्रिकाएँ, समस्त पाठक मंच केन्द्रों को साहित्य अकादमी के माध्यम से भेजी जाती हैं। प्रदेश में लगभग 71 पाठक मंच केन्द्र, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य जिलों के साथ विश्वविद्यालय,

महाविद्यालय में गठित हैं। स्थानीय साहित्यकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिमाह **निरंतर सृजन संवाद** श्रृंखला आयोजित की जाती है।

(4) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन

सारस्वतम परिचर्चा उज्जैन, छिन्दवाड़ा, इन्दौर, **कला शिविर** उज्जैन शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला खण्डवा में आयोजित की गयी। **समरस कलाशिविर** का आयोजन किया गया। अनुसूचित जाति के पन्द्रह कलाकारों ने पट्ट शैली, तंजोर शैली एवं कलमकारी शैली में कालिदास साहित्य पर आधारित चित्रांकन किया। **वनजन कला शिविर** बान्धवगढ़ में 19 आदिवासी कलाकारों द्वारा रघुवंशम् पर केन्द्रित चित्रांकन किया गया। उज्जैन में **वर्णागम शिविर** का आयोजन कालिदास के ऋतुसंहार पर किया गया। इसमें जलरंग (वॉश पेन्टिग) के कलाकारों ने चित्रांकन किया। **नाट्य समारोह** संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन इन्दौर में किया गया। इस अवसर पर तीन संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई। डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन स्मृति बालनाट्यम समारोह, उज्जैन तीन दिवसीय आयोजन किया गया। इसमें बच्चों द्वारा संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति दी गई।

विविध आयोजन– संस्कृत गौरव दिवस, वाल्मीकि समारोह, भोज समारोह, कल्पवल्ली समारोह, अ.भा. भवभूति समारोह, भर्तृहरि प्रसंग, शंकर समारोह, कालिदास प्रसंग, बाणभट्ट समारोह, अखिल भारतीय राजशेखर समारोह का आयोजन किया गया।

पुरस्कार– श्रेष्ठकृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत संस्कृत साहित्य के वर्ष 2015–16 की श्रेष्ठकृतियों को इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। अ.भा. कालिदास पुरस्कार, प्रादेशिक भोज, व्यास एवं राजशेखर पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला के चार पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

प्रकाशन – पाणिनीय शिक्षा का द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया गया। कालिदास के जीवन वृत्त पर केन्द्रित नाटक कालिदासचरितम् का संस्कृत हिन्दी एवं मालवी भाषा में, माच लोक बोली पर केन्द्रित तीन लोकनाट्यों कालिदास, शाकुन्तला, राजा विक्रमादित्य का एक सम्पुट में प्रकाशन, महाकवि भवभूति पर केन्द्रित भवभूति उपन्यास, ऋतुसंहार के हिन्दी पद्यानुवाद, कालिदास शोध पत्रिका के तीन अंकों का प्रकाशन तथा स्मारिका "पुनर्नवा" एवं समाचार पत्रिका "वृतांत" का प्रकाशन किया गया।

(5) सिन्धी साहित्य अकादमी, भोपाल

इस वर्ष सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा निम्नलिखित आयोजन किये गये। **संत कंवरराम जयंती समारोह** दमोह, **सिंधु दर्शन यात्रा** लेह–लद्दाख, **राष्ट्रीय सिंधी नाट्य समारोह**–इन्दौर एवं ग्वालियर नाट्य प्रस्तुतियां, **राष्ट्रीय सिंधी कवि सम्मेलन**–भोपाल, **राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन** (दो दिवसीय) पचमढ़ी, **राष्ट्रीय चेतना जा सुर** संतनगर, भोपाल, **कृष्ण खटवाणी प्रसंग**–इन्दौर, वक्तव्य एवं नाट्य प्रस्तुति, **सिंधु महोत्सव** संत नगर, भोपाल, **प्रादेशिक सिंधी कवि सम्मेलन** सतना, **सिंधु आइडल** भोपाल, **भगत गायन –पारम्परिक सिंधी गायन** भोपाल, **जागरुकता केन्द्रित नाट्य मंचन** मन्दसौर, सागर, **सुहिणा सिंधी समारोह** दतिया, राष्ट्रीय सिंधी फिल्म समारोह हेमू कालानी शहीदी दिवस, **पाठक मंच 10 शहरों में** इन्दौर, बुरहानपुर, जबलपुर एवं **खण्डवा** आदि, **कार्यशाला/शिविर/सेमीनार, रचनापाठ, युवा प्रशिक्षण कार्यशाला** भोपाल, **ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर** संत नगर शुजालपुर, मैहर, **सिंधी अद्बी महफिल**– भोपाल में **युवा रचनाकारों की कार्यशाला,** पचमढ़ी, **नवीन सिंधी भाषी कलाकारों का चयन शिविर**

जबलपुर/भोपाल, पाण्डुलिपि एवं अनुवाद सिंधी अरबी देवनागरी, **सिन्धु मशाल** पत्रिका का प्रकाशन लगातार किया जा रहा है।

(6) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल

उर्दू अकादमी का गठन राज्य शासन द्वारा वर्ष 1976 में किया गया। 02 जुलाई 2014 में अकादमी का विलय किया गया है। अकादमी मध्यप्रदेश में उर्दू भाषा, तालीम और साहित्य के प्रोत्साहन, संरक्षण के लिये आवश्यक प्रयत्न करती है। नये रचनात्मक और आलोचनात्मक उर्दू साहित्य का प्रकाशन। साहित्य सम्मेलन परिचर्चा, गोष्ठियों आदि का आयोजन।लायब्रेरियों को इमदाद, जरूरतमंद और बीमार लेखकों को माली मदद, साहित्यिक और सांस्कृतिक इदारों को उनके आयोजनों के लिये सहायता प्रदान करती है। उर्दू अकादमी द्वारा मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य किए गए :–

उर्दू साहित्य के 07 शायरों/अदीबों की पुस्तकें प्रकाशित करने हेतु आर्थिक सहायता दी गई तथा 05 पुस्तकें अकादमी द्वारा प्रकाशित की गईं इसके अतिरिक्त 04 शायरों/अदीबों के मोनोग्राफ प्रकाशित किये गये। म.प्र. उर्दू अकादमी द्वारा इस वर्ष कला पंचांग में अंकित 22 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन किये गए हैं जिनमें क़व्वाली, मुशायरा, सेमिनार, जश्ने ईद सूफियाना, इकबाल समारोह, जश्ने उर्दू यह सभी कार्यक्रम भोपाल, शिवपुरी, बुरहानपुर एवं जबलपुर में आयोजित किये गये। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा नई प्रतिभाओं को तलाश करने हेतु प्रदेश के सभी संभागों जैसे भोपाल, उज्जैन, इन्दौर, सागर, जबलपुर, ग्वालियर, चम्बल एवं रीवा इत्यादि में "तलाशे जौहर" का आयोजन किया गया। उर्दू अकादमी के उल्लेखनीय कार्यों में एक प्रमुख कार्य अकादमी स्थित पुस्तकालय का डिजिटाइजेशन का है जो इस वर्ष हुआ है। अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों में अनुवाद प्रकोष्ठ की स्थापना है। इसमें अभी तक गुलाबी उर्दू के जनक मुल्ला रमुजी की उर्दू में लिखी हुई तीन पुस्तकों का देवनागिरी में अनुवाद किया गया है। उर्दू अकादमी द्वारा हर वर्ष शायरों/अदीबों को उनकी लम्बी खिदमात के लिये सम्मान देती है। इसमें 06 अखिल भारतीय एवं 13 प्रादेशिक सम्मान शामिल हैं। अखिल भारतीय सम्मान की राशि रुपये 51,000/– एवं प्रादेशिक सम्मान की राशि रुपये 31,000/– है। उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू सिखाने की कक्षाओं का संचालन मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, नालन्दा पब्लिक स्कूल, अरेरा कालोनी, सिरोंज एवं ग्वालियर में किया जाता है। अकादमी द्वारा निःशुल्क गजल कक्षा (रजिस्ट्रेशन रुपये 100/–), उर्दू डिप्लोमा कोर्स (रजि. रु. 200/–) परशियन प्रमाण पत्र कोर्स (रजि. रु. 200/–), अरबी प्रमाण पत्र कोर्स (रजि. रु. 200/–) एवं कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाईन की शिक्षा की व्यवस्था की गई है। उर्दू अकादमी द्वारा त्रैमासिक पत्रिका तमसील एवं खबरनामा मौजे नर्मदा का प्रकाशन कर देशभर में वितरण किया जाता है।

उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री के छात्र–छात्राओं को पुरस्कार राशि दी जाती है। प्रथम पुरस्कार रुपये 2,000/–, द्वितीय पुरस्कार रुपये 1,500/– एवं तृतीय पुरस्कार रुपये 1,000/– के दिये जाते हैं। इनके अलावा बी.ए, एम.ए. एवं एम.फिल में उर्दू विषय में 70 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वालों को प्रथम पुरस्कार राशि रुपये 5,000/–, द्वितीय पुरस्कार राशि रुपये 4,000/– एवं तृतीय पुरस्कार राशि रुपये 3,000/– दिये जाते हैं इसके अतिरिक्त ट्राफी एवं प्रमाण–पत्र भी दिये जाते हैं। यह पुरस्कार भोपाल, खण्डवा, इन्दौर, बुरहानपुर, उज्जैन, सिरोंज, देवास, ग्वालियर, कोरवाई एवं सीहोर के छात्र–छात्रओं को दिये गये। उर्दू सप्ताह के अन्तर्गत प्रदेश के भोपाल, इन्दौर, खण्डवा, बुरहानपुर, जबलपुर, बड़वानी एवं सीहोर के विद्यालय/महाविद्यालय के 286 विजेता छात्र–छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। जिसमें नगद राशि, ट्राफी एवं प्रमाण–पत्र दिये गये।

(7) मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में मराठी कला, संस्कृति एवं साहित्य को प्रोत्साहन, संरक्षण देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् के अन्तर्गत मराठी साहित्य अकादमी का गठन किया गया। अकादमी 2010 से निरंतर अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य की ओर अग्रसर है। अकादमी द्वारा इस वर्ष बहुविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां सम्पन्न की गईं। **लोकधारा रंगयात्रा** : पीथमपुर में आयोजित समारोह में **''संत तुकाराम चरित''** एवं **''मराठमोळी लोकधारा''** की वृहद प्रस्तुति सम्पन्न हुई। **संतवाणी,** भोपाल, **मराठी नाट्य प्रसंग,** छिंदवाड़ा, **बोलावा विठ्ठल,** भोपाल जिसमें देश के शीर्षस्थ गायक जयतीर्थ मेवुंडी तथा रंजनी एवं गायत्री बालासुब्रहमण्यम् द्वारा कर्नाटक शैली में मराठी अभंग भजन व भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी गईं। **रजत रंग,** भोपाल, तीन दिवसीय मराठी फिल्मोत्सव में फिल्म प्रीमियर के साथ सिनेमा के दिग्दर्शक एवं मुख्य पात्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। **श्री गुरु गोविंद सिंह जी की 350वीं जयंती**–बुरहानपुर, **शारदोत्सव**–विदिशा, **मराठी जत्रा**–इंदौर, **शारदोत्सव**–सागर, **दिवाली पहाट**–भोपाल, **कोचकर स्मृति नाट्य प्रसंग**–बालाघाट, **आवर्तन**–बुरहानपुर, **कृति वैशिष्ट्य**–इंदौर, **संतवाणी, गीत रामायण,** भारत भवन, भोपाल।

(8) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल

मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत संस्कृति परिषद् के अनुषंग के रूप में भोजपुरी साहित्य, संस्कृति और कला के सम्मान, संरक्षण, विकास और प्रोत्साहन के लिये भोजपुरी साहित्य अकादमी का गठन जुलाई, 2013 में किया गया। अकादमी अपने उद्देश्यों के अनुरूप भोजपुरी भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति, इतिहास, नृत्य संगीत, गीत, सिनेमा नाटक आदि विधाओं से संबंधित अकादमिक शोधपरक कार्यों और पारम्परिक आधुनिक समकालीन सृजनात्मकता पर कार्य कर रही है।

वर्ष 2018–19 में मण्डीदीप जिला–रायसेन में बसंत पंचमी महापर्व में ख्यात गायक श्री मुकेश तिवारी की प्रस्तुति हुई। संस्कृति विभाग द्वारा जनवरी, 2018 में ओंकारेश्वर में आयोजित एकात्म पर्व में अकादमी ने समन्वय एवं कतिपय व्यवस्थाओं का कार्य किया। भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक फिल्म समारोह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महत्वपूर्ण विमर्श भी आयोजित हुये। दमोह में भिखारी ठाकुर स्मृति नाट्य समारोह आयोजित हुआ। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा समारोह का आयोजन अकादमी ने किया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के आयोजन थिऐटर ओलंपिक में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की ओर से अकादमी ने स्थानीय सहयोग एवं वांछित समन्वय का कार्य किया।

पाथाखेड़ा, सारनी जिला–बैतूल में कजरी बिरहा गायन समारोह में पारम्परिक गायन प्रस्तुतियाँ संयोजित की गई। सतना में स्वाधीनता दिवस का लोकपर्व के अंतर्गत गायन एवं नाट्य प्रस्तुतियाँ करायी गई। जबलपुर में छन्द प्रसंग आयोजन के अंतर्गत भोजपुरी रचनाओं पर आधारित शास्त्रीय/पारम्परिक नृत्य प्रस्तुत हुये। कटनी में भिखारी ठाकुर स्मृति समारोह आयोजित हुआ। भोपाल में छठ प्रसंग, होशंगाबाद में निर्गुण समारोह एवं मैहर, जिला–सतना में ठुमरी समारोह आयोजित किये गये।

(9) पंजाबी साहित्य अकादमी भोपाल

पंजाबी साहित्य अकादमी का गठन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग ने मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में पंजाबी भाषा, साहित्य, कला, शिल्प, संस्कृति, रंगमंच, सिनेमा, नाटक एवं अन्य बहुविध रचनात्मक कार्यो के संरक्षण, संवर्धन, विस्तार, युवाओं को पंजाबी भाषा, परम्पराओं एवं संस्कृति के प्रति अभिरूचि और प्रोत्साहन के उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिये किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ इस प्रकार हैं **बैसाखी पर्व** गुना, **बैसाखी पर्व संकीर्तन की प्रस्तुति** अशोकनगर, **बैसाखी पर्व पंजाबी लोकनृत्य एवं लोकगायन** ग्वालियर, **बैसाखी महोत्सव**–उज्जैन, **बैसाखी महोत्सव**–इन्दौर , **विरसा पंजाब दा**–खरगौन, **प्रशिक्षण एवं कार्यशाला/शिविर**–जबलपुर, **अभ्यास वर्ग सेमिनार**–इन्दौर, **सेमिनार एवं नाट्य प्रदर्शन** रतलाम, **सेमिनार एवं नाट्य प्रदर्शन**–बड़वानी, **शहादत गाथा**–खरगौन, **सूफियाना गायन** इन्दौर, **नाट्य समारोह**–छिन्दवाड़ा, **गुरुनानक देवजी की जयंती**–सागर, **स्मरण एवं चल समारोह** गुना, **शहीद दिवस**–बालाघाट।

(10) सृजनपीठ

युवा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रेमचंद सृजनपीठ–उज्जैन, मुक्तिबोध सृजनपीठ–सागर एवं निराला सृजनपीठ–भोपाल में स्थापित हैं।

बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर की स्थापना अक्टूबर, 2008 में की गई। सृजनपीठ ने अपनी स्थापना के तुरंत बाद से ही प्रदेश में नई पीढ़ी को साहित्य सृजन की दृष्टि से प्रशिक्षित करना प्रारंभ किया है। बच्चों में सृजनात्मक प्रतिभाओं के विकास के लिए साहित्य सृजनपीठ, इन्दौर द्वारा प्रान्तीय स्तर पर बाल साहित्य की विविध विधाओं में लेखन की प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। इन कार्यशालाओं में नगर के सभी प्रमुख विद्यालयों के बच्चों की सहभागिता रही। बाल साहित्य की विविध विधाओं की बच्चों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं लगाई गईं।

(11) मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों को माह अप्रैल, 2018 से नियमित अध्ययन एवं प्रशिक्षण अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार विद्यालय में कार्यरत् व्याख्याताओं एवं अतिथि व्याख्याताओं द्वारा रंगमंच की विभिन्न विधाओं – अभिनय, वस्त्र विन्यास, अखाड़ा युद्धकला, वाणी एवं संभाषण, नाट्य विशलेषण, रंग संगीत, रूप सज्जा, योग, कल्लरी पायट्टू, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, भारतीय शास्त्रीय नाटक, छऊ, मंच आकल्पन, रंग सिद्धान्त, कथकली, नाट्यलेखन, थांग्टा ताइची, बुन्देली लोक संस्कृति प्रबंधन, बुन्देली नृत्य संरचना, स्वांग, प्रकाश परिकल्पना, नाट्य शास्त्र, ध्रुपद गायन, कविताओं एवं माच शैली, जम्मू काश्मीर की लोक संस्कृति पर आधारित दृश्य विन्यास–भांडपाथेर, थांग्टा एवं मणिपुरी, आंगिक अभिनय, मध्यप्रदेश की लोक नाट्य परंपरा–माच, शेक्सपियर पर आधारित कक्षाभ्यास प्रस्तुति एवं शिक्षण–प्रशिक्षण में अर्न्तसंवाद श्रृंखला के अन्तर्गत विद्या विशेषज्ञों एवं रंग विभूतियों द्वारा संवाद किया गया।

माह अप्रैल एवं मई, 2018 में सत्र 2018–19 के लिये इन्दौर, जबलपुर, ग्वालियर, सतना एवं भोपाल में प्रारम्भिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में चयनित विद्यार्थियों को 17 से 21 जून, 2018 तक शहीद भवन, भोपाल में आयोजित अंतिम चयन कार्यशाला में शिरकत करने के लिये

आमंत्रित किया गया। उपर्युक्त अभ्यर्थियों में से 26 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया गया। 16 जुलाई, 2018 से आठवें सत्र (2018–19) का प्रारम्भ हुआ।

सत्र 2016–17 में सफलतापूर्वक अध्ययन अनुदान प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये नाट्य प्रस्तुतियों में से श्रेष्ठतम 9 प्रस्तुतियों – अफसरनामा, शनिवार को 2 बजे हैं, मिर्जा की साहिबा, शून्य, पकवाघर, गठानें, अरे भाई मन्टो, पंछी ऐसे आते हैं का मंचन **''नवागत नाट्य समारोह, 2018''** में किया गया।

विद्यालय के सत्र 2017–18 के विद्यार्थियों द्वारा एक वर्ष पूर्ण हो जाने के उपलक्ष्य में **''सत्र समाप्ति नाट्य समारोह''** का आयोजन जबलपुर में किया गया। सत्र समाप्ति नाट्य समारोह में सत्र 2017–18 के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये नाटको का प्रदर्शन श्री पार्थो बन्धोपाध्याय, कोलकाता के निर्देशन में ''सम्राट अशोक'', श्री सी. आर. जाम्बे, बैंगलोर के निर्देशन में ''चित्रपट'', श्री के.के. राजन के निर्देशन में ''जूलियस सीजर'', श्री आलोक चटर्जी के निर्देशन में ''तलघर'' तथा श्री संजय उपाध्याय के निर्देशन में ''कादम्बरी'' का प्रदर्शन किया गया। सत्र 2018–19 के विद्यार्थियों के लिये मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा जबलपुर में परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया गया।

बुन्देली भ्रमणशील कार्यशाला का आयोजन छतरपुर में किया गया, कार्यशाला के दौरान लोक नाट्य शैली पर आधारित ''हंसा करले किलोल'' का निर्माण किया गया, जिसका प्रदर्शन रविन्द्र भवन सभागार, भोपाल एवं छतरपुर में किया गया है। नियमित अध्ययन अंतर्गत सत्र 2018–19 के विद्यार्थियों को श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं राजेन्द्र अवस्थी के निर्देशन में, ''माच'' की कक्षाभ्यास प्रस्तुति एवं श्री मुश्ताक काक, जम्मू के निर्देशन में ''भाण पाथेर'' की कक्षाभ्यास प्रस्तुति मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय परिसर सभागार में आयोजित की गई। श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, लखनऊ के निर्देशन में तैयार नाटक ''बरी द डेड'' का मंचन मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, परिसर में किया गया। प्रारंभिक चयन कार्यशाला सत्र 2018–19 की प्रक्रिया निरन्तर है।

6. भारत भवन न्यास, भोपाल

भारत भवन की स्थापना 13 फरवरी 1982 को हुई थी। भारत भवन एक बहुकला केन्द्र है जो श्यामला हिल्स पर बड़ी झील के किनारे सुविख्यात वास्तुविद चार्ल्स कोरिया द्वारा आकल्पित विशाल इमारत में स्थित है। इसके परिसर में अनेक दीर्घाएं, सभागार, संग्रहालय, पुस्तकालय, अभिलेखागार, कार्यशालाएं आदि स्थित हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित भारत भवन मध्य प्रदेश एक्ट 1951 के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त न्यास है।

भारत भवन का उद्देश्य कलाओं का संरक्षण, अनुसंधान, संवर्द्धन और विस्तार करते हुए सृजनात्मक कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में स्थापित होना, आदिवासी और लोक कलाओं के क्षेत्र में हो रहे व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन का संवर्द्धन, प्रोत्साहन और समर्थन करना, कलात्मक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनों, मल्टी मीडिया प्रक्षेपों, परिसंवादों, सम्मेलनों आदि के माध्यम से आलोचनात्मक संवाद का सक्रिय मंच तैयार करना, सृजनात्मक, कलात्मक प्रक्रियाओं के व्यवस्थित वैज्ञानिक अनुसंधान और समझ को समर्थन और प्रोत्साहन देते हुए विज्ञान और कलाओं के बीच के बौद्धिक अन्तराल को पाटना तथा कलाओं और संस्कृति के क्षेत्र में भावी अनुसंधानों के लिए अन्य राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्रों के साथ सम्पर्क एवं सहकार स्थापित करना है।

भारत भवन में रूपंकर (आधुनिक तथा आदिवासी लोक कला केन्द्र तथा संग्रहालय), रंगमण्डल (नाट्य प्रभाग), वागर्थ (भारतीय कविता केन्द्र और पुस्तकालय), अनहद (शास्त्रीय और लोक संगीत का केन्द्र) छवि प्रभाग (उत्कृष्ट सिनेमा पर केन्द्रित) और विश्व कविता केन्द्र आदि प्रमुख प्रभाग कार्यरत हैं।

वर्ष 2018–19 में अनेक सांस्कृतिक गतिविधियां एवं महत्वपूर्ण समारोह के साथ–साथ राज्यों की कला संस्कृति पर एकाग्र समारोह, हरियाणा महोत्सव, दिनमान समारोह, युवा–6, कविता कहानी पाठ, विशेष संगीत सभा, गायन पर्व, बादल राग, सप्तक, शेक्सपियर नाट्य समारोह, अतिथि नाट्य प्रस्तुति, आदरांजलि समारोह, प्रणति प्रदर्शनियां, परिधि आउटरिच, संवाद, फिल्म समारोह, पूर्वग्रह पत्रिका का नियमित प्रकाशन, भारत भवन की 37वीं वर्षगांठ समारोह में कला प्रदर्शनियां, कथक की समूह प्रस्तुति, गायन वादन संगीत–नृत्य की प्रस्तुतियां नाट्य प्रस्तुति, फिल्मों का प्रदर्शन के साथ ही पद्मभूषण एवं ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित कलाकार पं. विश्वमोहन भट्ट का मोहनवीणा वादन, विश्वविख्यात तबलानवाज उस्ताद जाकिर हुसैन का तबला वादन, म.प्र. रंग उत्सव, महिला रचनाशीलता पर केन्द्रित समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

7. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित ''आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास'' मध्यप्रदेश ट्रस्ट पब्लिक एक्ट 1951 के अंतर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी न्यास है।

न्यास का उद्देश्य आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा की ओंकारेश्वर में स्थापना है। आदि शंकराचार्य की प्रतिमा के लिए पूरे प्रदेश के गाँव–गाँव से धातु दान स्वरूप प्राप्त करना। भारतीय संस्कृति एकता के प्रतीक के रूप में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का प्रस्तुतीकरण। प्रतिमा स्थल के आस–पास सुव्यवस्थित जन–सुविधाएँ विकसित करना। ओंकारेश्वर पहुंचने वाले मार्गों के निर्माण और देख–रेख के लिए संबंधित विभागों से सतत् समन्वय करना। भारतीय अद्वैत ज्ञान और दर्शन से जुड़ी गतिविधियों के प्रोत्साहन एवं विचारों के आदान–प्रदान के लिए कार्यशाला, सेमीनार, शोध, संगोष्ठी, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन करना। शंकराचार्य जी के द्वारा प्रौन्नत भारतीय सांस्कृतिक एकता की प्रदर्शनी एवं इसका लेजर, प्रकाश एवं ध्वनि माध्यम से प्रदर्शन। न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भारत सरकार, राज्य सरकार, गैर शासकीय संस्थाओं/संगठनों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के निकायों तथा व्यक्तियों से संपर्क, समन्वय तथा सहयोग स्थापित कर क्रियान्वयन। आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय वेदांत संस्थान की स्थापना एवं संचालन।

''आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास'' का अस्थाई कार्यालय जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में संचालित है। आचार्य शंकर की प्रतिमा/संग्रहालय की स्थापना हेतु ओंकारेश्वर में मान्धाता पर्वत पर 4.26 हैक्टेयर भूमि आंवटित हो चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय वेदांत संस्थान की स्थापना हेतु 10 हैक्टेयर भूमि आवंटन किये जाने हेतु प्रकरण जिला कलेक्टर खण्डवा के कार्यालय में विचाराधीन है।

वर्ष 2018–19 में आचार्य शंकर के अद्वैत वेदांत दर्शन के लोकव्यापीकरण हेतु मासिक गतिविधि के रूप में शंकर व्याख्यानमाला का आयोजन भोपाल, जबलपुर, इन्दौर, ग्वालियर में किया गया है। इस व्याख्यानमाला में अद्वैत वेदांत दर्शन के विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान एवं विभिन्न कलाकारों के द्वारा आचार्य शंकर विरचित स्तोत्रों का गायन किया जाता है। इसी व्याख्यानमाला के अंतर्गत विद्यालयीन/महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं के साथ प्रेरणा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। प्रदेश शंकर व्याख्यानमाला का आयोजन हो चुका है। शंकर व्याख्यानमाला के आयोजन के पूर्व विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में अद्वैत वेदांत दर्शन पर प्री–ईवेंट टॉक का भी आयोजन किया जाता है।

भाग– चार

सामान्य प्रशासनिक विषय

शासन की जनहितकारी नीतियों का, संस्कृति संचालनालय को आवंटित कार्यों के परिप्रेक्ष्य में सभी को लाभ मिले इस उद्देश्य से कार्य किया जाता है। अधिकारियों/कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु कर्मचारी कल्याण अभियान के अंतर्गत निर्धारित बिंदुओं पर भी कार्यवाही की जाती है। 'संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की जाती है।

'न्यायालयीन प्रकरणों के शीघ्र निपटारे के लिए समय पर जवाबदावे प्रस्तुत किये गये और प्रकरणों में प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों की नियुक्तियां की गई। संचालनालय के कर्मचारियों एवं महाविद्यालयों से संबंधित विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में कार्यवाही जारी है। संचालनालय में विभागीय जांच का कोई प्रकरण लंबित नहीं है।.

संचालनालय से संबंधित विधानसभा में माननीय सदस्यों द्वारा सीधे संस्कृति विभाग से अथवा अन्य विभागों के माध्यम से पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर समय पर प्रशासकीय विभाग को उपलब्ध कराये गये।

भाग– पांच

अभिनव योजनाएं

1. प्रत्येक आंचलिक बोली के रचनाकार को वार्षिक आधार पर सम्मानित करने की योजना है।
2. लोक कलाकार कल्याण मण्डल का गठन किये जाने की योजना है।
3. सांस्कृतिक विशिष्टता तथा आंचलिक बोली के आधार पर विभिन्न स्थानों का चिन्हांकन कर कला संकुलों का निर्माण किये जाने की योजना है।

भाग– छः

महिला नीति

संस्कृति संचालनालय द्वारा महिलाओं की समस्याओं के निराकरण हेतु एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें महिला सदस्य तथा नोडल अधिकारी को संचालनालय से ही मनोनीत किया गया है। समय–समय पर महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी द्वारा बैठक आहूत की जाती है, जिसमें सभी महिला सदस्यों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती हैं। संस्कृति संचालनालय द्वारा महिलाओं के उन्नयन के लिये ऐसे वातावरण व स्थितियों का निर्माण किया गया है, जिससे महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में पुरुषों के समान ही सक्रिय सहभागी हैं।

स्वराज संस्थान संचालनालय, मध्यप्रदेश

भाग – एक

स्वराज संस्थान संचालनालय की स्थापना वर्ष 1998 में की गयी। इस संचालनालय के मुख्य कार्य स्वाधीनता संघर्ष से लेकर स्वराज तक की बहुविध प्रश्नों पर केन्द्रित उच्च स्तरीय गतिविधियों का संचालन, स्वाधीनता संघर्ष के स्मृति चिन्हों को एकत्र कर प्रदर्शित करना, भारत और दुनिया भर में हुए स्वाधीनता संघर्ष पर केन्द्रित फिल्मों, समाचार–पत्रों, पुस्तकों, चित्रों और अन्य माध्यमों की रचनाओं का संग्रह, निर्माण, प्रदर्शन, अध्ययन, शोध, व्याख्यान एवं गोष्ठियाँ आदि कार्यक्रमों का आयोजन का प्रवर्तन संचालन, राज्य स्तरीय डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय एवं पुस्तकालय का संचालन, स्वाधीनता संग्राम–स्वराज को समर्पित सामुदायिक रेडियो केन्द्र आज़ाद हिन्द का संचालन, भारतीय सेना के शहीदों की स्मृति एवं सम्मान में स्थापित शौर्य स्मारक की शौर्यवीथी का संचालन, शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भ तथा स्मारकों की स्थापना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/शहीदों को समर्पित शताब्दी/जयन्ती आयोजन करना है।

स्वराज संस्थान संचालनालय का अमला

सरल क्र.	श्रेणीवार पद	स्वीकृत पद	भरे पद
1.	प्रथम श्रेणी	1	–
2.	द्वितीय श्रेणी	1	1
3.	तृतीय श्रेणी	5	4
4.	चतुर्थ श्रेणी	3	1
	कुल योग	**10**	**6**

भाग–दो

बजट प्रावधान

वर्ष 2016–17

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	आयोजनेत्तर			आयोजना		
		प्रावधान	आवंटन	व्यय	प्रावधान	आवंटन	व्यय
1	**मांग संख्या 26 –लेखाशीर्ष 2205**						
	8458– स्वराज भवन	141.62	140.95	96.13	–	–	–
2	7096– व्याख्यान, स्मृति समारोह, संगोष्ठी, फैलोशिप एवं दस्तावेजीकरण	76.02	66.72	62.61	–	–	–
3	5270–अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान	05.00	04.50	04.50	–	–	–
4	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	00.02	00.02	–	–	–	–
5	7714– महारानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान	02.50	01.75	01.75	–	–	–
6	9061– शौर्य स्मारक	170.00	170.00	169.69			
7	6756– शहीद भवन	–	–	–	45.00	40.50	40.38
8	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	–	–	–	110.01	99.01	98.72
9	1857– 1857 मुक्ति संग्राम के 150 वर्ष समारोह	–	–	–	08.00	07.20	06.82
10	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	–	–	–	100.00	95.00	93.34
11	5690– धर्मपाल शोधपीठ	–	–	–	40.00	36.00	36.00
12	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	–	–	–	55.00	49.50	49.50
13	5707– महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान	–	–	–	00.01	00.01	–
14	5712– महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान	–	–	–	10.00	09.00	09.00
15	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (सामान्य)	–	–	–	100.00	90.00	81.18
16	6223– नाट्य मंचन	–	–	–	00.01	00.01	–
17	6224– जननायक टंट्या भील की समाधि पर स्मारक	–	–	–	15.00	13.50	13.50
18	6253– 1857 योद्धा स्मारक	–	–	–	00.01	00.01	–
19	6867– आज़ाद स्मृति मंदिर स्मारक	–	–	–	00.01	00.01	–
20	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	–	–	–	25.00	22.50	22.50
21	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	–	–	–	10.00	10.00	10.00
22	8001– वीर भारत योजना	–	–	–	30.00	27.00	27.00
23	8808– सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य	–	–	–	02.50	02.25	02.25
24	2038– वतन परस्तों का कीर्ति स्थल	–	–	–	00.01	00.01	–
25	2039– दृश्य एवं श्रव्य प्रदर्शन	–	–	–	10.00	09.00	09.00
26	**मांग संख्या 41–लेखाशीर्ष 2205**						
	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (आ.क्षे.उ.)	–	–	–	80.00	72.00	71.99
27	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	–	–	–	00.01	00.01	–
28	**मांग संख्या 64–लेखाशीर्ष 2205**						
	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (अनुजाति क्षेउ.)	–	–	–	35.00	31.50	31.40
	योग	**395.16**	**383.94**	**334.68**	**675.57**	**614.02**	**602.58**

बजट प्रावधान

वर्ष 2017–18

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	आयोजनेत्तर			आयोजना		
		प्रावधान	आवंटन	व्यय	प्रावधान	आवंटन	व्यय
1	**मांग संख्या 26 –लेखाशीर्ष 2205**						
	8458– स्वराज भवन	127.09	126.96	82.72	–	–	–
2	7096– व्याख्यान, स्मृति समारोह, संगोष्ठी, फैलोशिप एवं दस्तावेजीकरण	81.02	77.92	62.17	–	–	–
3	5270– अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान	05.00	04.50	–	–	–	–
4	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	20.00	18.00	11.03	15.00	13.50	10.06
5	7714– महारानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान	05.00	04.50	02.03	–	–	–
6	9061– शौर्य स्मारक	50.01	50.01	34.73	–	–	–
7	6756– शहीद भवन	–	–	–	55.00	54.50	32.41
8	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	–	–	–	158.01	156.71	118.65
9	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	–	–	–	100.00	90.00	88.66
10	5690– धर्मपाल शोधपीठ	–	–	–	550.00	550.00	550.00
11	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	–	–	–	60.00	60.00	60.00
12	5707– महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान	–	–	–	05.00	04.50	–
13	5712– महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान	–	–	–	05.00	04.50	02.03
14	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (सामान्य)	–	–	–	460.00	449.00	362.02
15	6223– नाट्य मंचन	–	–	–	10.00	09.00	04.05
16	6224– जननायक टंट्या भील की समाधि पर स्मारक	–	–	–	15.00	13.50	–
17	6253– 1857 योद्धा स्मारक	–	–	–	02.00	01.80	–
18	6867– आज़ाद स्मृति मंदिर स्मारक	–	–	–	07.50	07.50	–
19	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	–	–	–	07.51	07.51	04.12
20	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	–	–	–	10.01	09.01	–
21	8001– वीर भारत योजना	–	–	–	900.00	900.00	899.99
22	8808– सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य	–	–	–	05.00	04.50	–
23	2038– वतन परस्तों का कीर्ति स्थल	–	–	–	10.00	09.00	–
24	2039– दृश्य एवं श्रव्य प्रदर्शन	–	–	–	10.00	09.00	–
25	**मांग संख्या 41–लेखाशीर्ष 2205** 7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (आ.क्षे.उ.)	–	–	–	90.00	81.00	70.22
26	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	–	–	–	00.01	00.01	–
27	**मांग संख्या 64–लेखाशीर्ष 2205** 7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन (अनुजाति क्षेउ.)	–	–	–	50.00	45.00	34.60
	योग	**288.12**	**281.89**	**192.68**	**2525.04**	**2479.54**	**2236.81**

बजट प्रावधान
वर्ष 2018–19

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	प्रावधान	आवंटन	व्यय
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 2205 (राजस्व मद)			
1	8458– स्वराज भवन	203.22	198.99	120.10
2	2039– दृश्य एवं श्रव्य प्रदर्शन	05.00	04.50	–
3	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	100.00	90.00	66.59
4	5690– धर्मपाल शोधपीठ	50.00	45.00	45.00
5	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	60.00	54.00	54.00
6	6223– नाट्य मंचन	10.00	09.00	–
7	6224– जननायक टंट्या भील की समाधि पर स्मारक	15.00	13.50	–
8	6756– शहीद भवन	62.50	62.25	29.56
9	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	08.01	08.01	–
10	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	95.00	85.50	84.61
11	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	153.01	152.21	102.83
12	7714– राष्ट्रीय सम्मान	20.00	18.00	14.55
13	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन	190.00	171.00	146.66
14	8001– वीर भारत योजना	100.00	90.00	90.00
15	9061– शौर्य स्मारक	350.00	330.00	271.83
	योग (राजस्व व्यय)	**1421.74**	**1331.96**	**1025.73**
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 4202 (पूंजीगत मद)			
16	6867– आज़ाद स्मृति मंदिर स्मारक	20.00	20.00	–
17	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	0.01	0.01	–
18	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	05.00	05.00	–
19	8001– वीर भारत योजना	900.00	900.00	900.00
20	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	50.01	50.01	35.00
21	9061– शौर्य स्मारक	200.00	200.00	65.84
	योग (पूंजीगत परिव्यय)	**1175.02**	**1175.02**	**1000.84**
	महायोग (राजस्व व्यय + पूंजीगत परिव्यय)	**2596.76**	**2506.98**	**2026.57**

भाग–तीन

राज्य योजनाएँ

स्वाधीनता संघर्ष से लेकर स्वराज तक के बहुविध प्रश्नों पर केन्द्रित उच्च स्तरीय गतिविधियों के केन्द्र के रूप में स्थापित स्वराज संस्थान संचालनालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में सक्रिय है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक स्वराज संस्थान द्वारा स्वाधीनता संग्राम में मध्यप्रदेश के योगदान पर केन्द्रित अनेक फिल्मों, रेडियो कार्यक्रमों का निर्माण, आज़ादी के दुर्लभ यादगार तरानों को संकलित कर संगीतबद्ध कराने के अलावा विविध जिलों में आज़ादी की लड़ाई में मध्यप्रदेश के योगदान को लेकर डाक्यूमेंटेशन और अनेक पुस्तकों के प्रकाशन के अलावा कई लोकप्रिय प्रदर्शनी, परिसंवाद, संगोष्ठी, व्याख्यान, चर्चा, कार्यशाला, नाट्य समारोह, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

शौर्य स्मारक

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय सेना के शहीदों की स्मृति एवं सम्मान में वर्ष 2016 में स्थापित शौर्य स्मारक की शौर्यवीथी में भारतीय सेना, वायुसेना एवं नौसेना से सम्बन्धित संक्षिप्त ऐतिहासिक जानकारी, चित्र, अस्त्र–शस्त्रों के छायाचित्र, टेबलटॉप मॉडल, स्केल मॉडल, विभिन्न शौर्य पदकों के विवरणों का प्रदर्शन, शौर्य से सम्बन्धित प्रकाशनों का विक्रय, लघु फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय सेना की शौर्य गाथाओं से जनसामान्य को अवगत कराया जा रहा है। 31 मार्च, 2019 तक लगभग 15 लाख से अधिक युवाओं, छात्र–छात्राओं, गणमान्य नागरिकों, पर्यटकों एवं जनसामान्य द्वारा शौर्य स्मारक का अवलोकन कर सराहना की गई।

शौर्य स्मारक, भोपाल में स्वतंत्रता संग्राम की पूर्व संध्या अवसर पर 14 अगस्त को "एक शाम वीरों के नाम" अंतर्गत मिलिट्री बैण्ड, नृत्य नाटिका "माँ तुझे सलाम" एवं सैन्य आयुधों की प्रदर्शनी, गांधी जयंती अवसर पर 2–9 अक्टूबर तक "गांधी फिल्मोत्सव", शौर्य स्मारक की द्वितीय वर्षगांठ अवसर पर 14 अक्टूबर को "अखिल भारतीय कवि सम्मेलन", 24 से 26 जनवरी 2019 तक "लोकतंत्र का लोकोत्सव" कार्यक्रम अंतर्गत मिलिट्री बैण्ड, लोकनृत्य, वृन्दगान, लौहतरंग एवं शहनाई वादन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इसके अलावा फिल्म डिवीजन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त सेना के शूरवीरों पर केन्द्रित दुर्लभ शौर्य फिल्मों के नियमित प्रदर्शन के साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर स्थापना दिवस, विजय दिवस एवं शहीदों की पुण्यतिथि/जयंती अवसर पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

भारत पर्व

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा वर्ष 2007 से गणतंत्र दिवस अवसर पर 26 जनवरी को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर लोकतंत्र के लोक उत्सव के रूप में **भारत पर्व** आयोजित किया जा रहा है।

इस वर्ष 26 जनवरी, 2019 को जिला प्रशासन के सहयोग से गणतंत्र दिवस अवसर पर पूरे मध्यप्रदेश में पारम्परिक कला मंडलियों के डेढ़ हज़ार से अधिक कलाकारों द्वारा लोकगीत, लोकनृत्य, सुराज गान, कबीर गायन, आज़ादी के तराने, कवि सम्मेलन, कव्वाली, लोक एवं जनजातीय कलाओं की राष्ट्र को समर्पित समवेत प्रस्तुतियाँ दी गईं। साथ ही सभी जिला मुख्यालयों पर गांधीजी के 150वाँ जन्मवर्ष को दृष्टिगत रखते हुए "मध्यप्रदेश में गांधी" चित्र प्रदर्शनी का प्रदर्शन भी किया गया।

पीर पराई जाणे रे...

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि अवसर पर **पीर पराई जाणे रे...** भक्ति संगीत सभा अंतर्गत 30 जनवरी, 2019 को भोपाल में सूफी गायक **पद्मश्री हंसराज हंस** द्वारा सूफी गायन की प्रस्तुति दी गई।

आदि विद्रोही नाट्य समारोह

स्वाधीनता संघर्ष एवं जनजातीय चेतना पर केन्द्रित **"आदि विद्रोही"** नाट्य समारोह विगत 13 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष 24 से 30 दिसम्बर तक भोपाल में आयोजित नाट्य समारोह में छत्तीसगढ़, नयीदिल्ली, मुम्बई, असम, केरल, पश्चिम बंगाल एवं मध्यप्रदेश के नाट्य निर्देशकों द्वारा निर्देशित नाटक प्रदर्शित किये गये। अब तक "आदि विद्रोही" नाट्य समारोह में लगभग 111 नाटक प्रदर्शित किये जा चुके हैं।

आज़ाद बांसुरी बाल नाट्य समारोह

26 से 29 सितम्बर तक भोपाल में आयोजित **आज़ाद बाँसुरी बाल नाट्य** समारोह अंतर्गत प्रदर्शित सात नाटकों में लगभग 200 से अधिक बच्चों द्वारा अभिनय किया गया।

स्वाधीनता पर्व

स्वतंत्रता दिवस अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में इस वर्ष **"स्वाधीनता पर्व"** अंतर्गत 15 अगस्त, 2018 को प्रख्यात पार्श्व गायक **सुदेश भौंसले एवं दल** द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

व्याख्यान–संगोष्ठी

स्वराज भवन, भोपाल में 1 जून, 2018 को **भोपाल राज्य विलीनीकरण** विषय पर **चर्चा–गोष्ठी** एवं विवेकानंद जयंती अवसर पर 12 जनवरी 2019 को भोपाल में **स्वामी विवेकानंद – जीवन और संदेश** विषय पर **व्याख्यान** आयोजित किया गया।

कार्यक्रम/प्रदर्शनी

अमर शहीद तात्या टोपे बलिदान दिवस अवसर पर 18 से 20 अप्रैल तक शिवपुरी में तीन दिवसीय नाट्य समारोह एवं **1857 मुक्ति संग्राम** पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी, **1857 मुक्ति संग्राम दिवस** अवसर पर 10 मई को **शतरंज के खिलाड़ी** नाटक एवं **1857 मुक्ति संग्राम** चित्र प्रदर्शनी, **वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस** अवसर पर 17–18 जून को ग्वालियर में **ज़रा याद करो कुर्बानी** चित्र प्रदर्शनी, **वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस** अवसर पर 24 से 26 जून को जबलपुर में तीन दिवसीय नाट्य समारोह एवं **ज़रा याद करो कुर्बानी** चित्र प्रदर्शनी, **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद जयंती** अवसर पर 23 जुलाई को चंद्रशेखर आज़ाद नगर में **मालवी एवं कबीर गायन** तथा **मध्यप्रदेश के क्रांतिकारियों** पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी, इसी अवसर पर भोपाल में आज़ाद के जीवनवृत्त पर आधारित **आज़ाद कथा** चित्र प्रदर्शनी, **कारगिल विजय दिवस** अवसर पर 26 जुलाई को भोपाल में **श्रद्धांजलि समारोह** एवं **देशभक्ति गीतों** की प्रस्तुति, **शहीद उधम सिंह बलिदान दिवस** अवसर पर 31 जुलाई को भोपाल में **शहीद उधम सिंह** नाटक, **स्वाधीनता दिवस अवसर पर** 15 अगस्त को संभागीय जिला मुख्यालय ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, जबलपुर, होशंगाबाद, सागर, रीवा तथा शहडोल में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 15 से 21 सितम्बर को भोपाल में **महात्मा गांधी** पर केन्द्रित

चित्रांकन कार्यशाला, गांधी जयंती अवसर पर 2 अक्टूबर को **एकै राम रहीम...** भजन संध्या एवं 2 से 5 अक्टूबर तक महात्मा गांधी पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी, अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह एवं अशफाक उल्ला खाँ के बलिदान दिवस अवसर पर 19 दिसम्बर को **जियो अशफाक जियो** नाटक, 12–14 जनवरी को भोपाल में **स्वामी विवेकानंद** पर केन्द्रित **युग प्रवर्तक** चित्र प्रदर्शनी, लोकरंग अंतर्गत भोपाल में 26 से 30 जनवरी तक **मध्यप्रदेश में गांधी** चित्र प्रदर्शनी, 1857 क्रांति के अमर सेनानी राजा बख्तावर सिंह के बलिदान दिवस अवसर पर 10 फरवरी को अमझेरा (जिला–धार) में **आज़ादी के तराने** एवं **गांधीजी मध्यप्रदेश में** चित्र प्रदर्शनी, अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के बलिदान दिवस अवसर पर 27 फरवरी को चंद्रशेखर आज़ाद नगर (जिला–अलीराजपुर) में **आज़ाद मेला**, **मध्यप्रदेश में गांधी** चित्र प्रदर्शनी एवं भोपाल में **आज़ाद कथा** चित्र प्रदर्शनी तथा अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के बलिदान दिवस अवसर पर 23 से 30 मार्च की तिथियों में भोपाल में **भगतसिंह के दस्तावेज** चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गई।

राष्ट्रीय सम्मान

मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के क्षेत्र में रचनात्मक अवदान, सृजनात्मकता एवं विशिष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख), सामाजिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के लिए श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए सम्मानित करने के उद्देश्य से **महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख), शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से **महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख), देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए महिला को सम्मानित करने के उद्देश्य से **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख) स्थापित किये गये हैं।

वीरांगना बलिदान मेला अवसर पर 17–18 जून को ग्वालियर में आयोजित अलंकरण समारोह में **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत वर्ष **2015–16** से प्रख्यात बॉक्सिंग खिलाड़ी **श्रीमती मैरीकॉम** (मणिपुर), **2016–17** से प्रख्यात पर्यावरणविद् **सुश्री सुनीता नारायण** (नयीदिल्ली) एवं **2018–19** से प्रख्यात पर्यावरणविद् **श्रीमती वंदना शिवा** (नयीदिल्ली) को राशि रुपये 2.00 लाख एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

स्वाधीनता पर्व अवसर पर 15 अगस्त को भोपाल में आयोजित अलंकरण समारोह में **अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत वर्ष **2015–16** से **श्री सुधीर विद्यार्थी** (बरेली), **2016–17** से **गांधी भवन न्यास** (भोपाल), **2017–18** से **श्री अनुज धर** (नयीदिल्ली) एवं **2018–19** से **मेजर जनरल श्री गगनदीप बख्शी** (नयीदिल्ली) को राशि रुपये 2.00 लाख एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान अंतर्गत वर्ष **2015–16** से **सुरभि शोध संस्थान** (वाराणसी), **2016–17** से **नारायण सेवा संस्थान** (उदयपुर), **2017–18** से **लोक बिरादरी प्रकल्प** (हेमलकसा) एवं **2018–19** से **केन्द्रीय चिन्मय मिशन ट्रस्ट** (मुम्बई) को राशि रुपये 2.00 लाख एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान अंतर्गत वर्ष **2015–16** से **दक्षिणमूर्ति विनय मंदिर** (भावनगर), **2016–17** से **प्रो. रमेश दवे** (भोपाल) एवं **2017–18** से **हेमचंद्राचार्य संस्कृत पाठशाला** (साबरमती) को राशि रुपये 2.00 लाख एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ

महाराजा विक्रमादित्य तथा उनके समकालीन चिंतकों, मनीषियों, सर्जकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का शोध, अध्ययन एवं अनुशीलन के लिए राज्य शासन द्वारा स्थापित **महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन** द्वारा नववर्ष गुड़ी पड़वा अवसर पर 12 से 18 मार्च की तिथियों में **विक्रमोत्सव** अंतर्गत शोध संगोष्ठी, प्रदर्शनी, परिसंवाद, कवि सम्मेलन एवं सांगीतिक समारोह, 11 मई, 2018 को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिचर्चा, 23 जुलाई को घटकर्पर पर परिचर्चा, 30 जुलाई को क्षपणक व्याख्यान, 28 सितम्बर को विक्रम अमृत महोत्सव अंतर्गत राष्ट्रीय वैज्ञानिक युवा संवाद विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें लगभग 4000 विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। 23 अक्टूबर को भर्तृहरि परिचर्चा, 5 नवम्बर को धनवन्तरि परिचर्चा का आयोजन भी किया गया।

इसके अलावा शोधपीठ द्वारा शोधपरक पुस्तक प्रकाशन अंतर्गत संतपीपा, विक्रमादित्य के नवरत्न, कामकन्दला पुस्तकें प्रकाशित की गयीं जबकि पुरातत्व के सील सिक्कों पर आधारित कैटलॉग, सिंहासन बत्तीसी, उज्जयिनी का परिक्षेत्र एवं द ग्रेट विक्रमादित्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।

शोधपीठ द्वारा स्थापित सीनियर एवं जूनियर फैलोशिप वर्ष 2019–20 के लिए फैलोशिप के प्रस्ताव आमंत्रण संबंधी कार्यवाही प्रचलित है।

धर्मपाल शोधपीठ

राज्य शासन द्वारा आज़ादी के पूर्व तथा आज़ादी के बाद भारत की संस्कृति, परम्पराओं, जीवन पद्धतियों के संरक्षण संवर्धन, स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों तथा स्वराज के जीवन एवं बहुआयामी इतिहास के अध्ययन, अनुशीलन, शोध, प्रशिक्षण, व्याख्यान, गोष्ठी, सेमिनार तथा विविध कार्यक्रमों के आयोजन, दुर्लभ, प्रामाणिक, ऐतिहासिक तथा अन्य पत्र–पत्रिकाओं–पुस्तकों का संग्रह एवं प्रकाशन, आडियो–वीडियो कार्यक्रमों, शोध एवं प्रशिक्षणों के लिए स्थापित **धर्मपाल शोधपीठ** द्वारा 2–3 सितम्बर को भोपाल में **लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एवं भारतीय राजनीति** पर केन्द्रित शोध संगोष्ठी आयोजित की गई।

शोधपीठ से अब तक कश्मीर का जेहादी आतंक, धर्मपाल की इतिहास दृष्टि : देशभक्ति विविध आयाम, भारत का संविधान और भारत का धर्म, भारत के विकास की भावी दिशा एवं कभी भी पराधीन नहीं रहा है भारत इत्यादि पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। शोधपीठ द्वारा स्थापित धर्मपाल फैलोशिप के प्रस्ताव आमंत्रण संबंधी कार्यवाही प्रचलित है।

शहीद भवन

स्वाधीनता संग्राम, स्वराज पर केन्द्रित विभिन्न आयोजनों को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से 265 बैठक क्षमता के शहीद भवन, भोपाल में जनसामान्य एवं संस्थाओं द्वारा 31 मार्च तक लगभग 230 दिवस विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

डॉ. शंकरदयाल शर्मा संग्रहालय एवं वाचनालय

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा ने अपने संग्रह में उपलब्ध दुर्लभ दस्तावेज, स्मृति चिन्ह और पुस्तकें स्वराज भवन को भेंट की थीं। स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा उपलब्ध पुस्तकों को लायब्रेरी में संग्रहीत कर विकासशील समाज के अध्ययन, अनुसंधान के लिए अवलोकित करायी जा रही हैं। डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय अंतर्गत दुर्लभ दस्तावेज, स्मृति चिन्हों को प्रदर्शित किया गया है।

इसके अलावा स्वाधीनता संग्राम पर केन्द्रित विविध गतिविधियों, सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन, नाट्य समारोह, प्रदर्शनी तथा स्वाधीनता फैलोशिप से संबंधित गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डॉ. शंकरदयाल शर्माजी की जयंती अवसर पर 19 अगस्त एवं पुण्यतिथि अवसर पर 26 दिसम्बर को उनकी प्रतिमा स्थल, रेतघाट, भोपाल में स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से भजनांजलि कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

रेडियो आज़ाद हिन्द 90.8 मेगा हर्ट्ज़

स्वाधीनता संग्राम–स्वराज को पूर्ण रूप से समर्पित देश के पहले सामुदायिक रेडियो केन्द्र **रेडियो आज़ाद हिन्द 90.8 मेगा हर्ट्ज** के माध्यम से स्वाधीनता संग्राम के विविध पहलुओं, ज्ञात–अज्ञात पक्षों, तथा जनजाति अनुसूचित जाति की भागीदारी एवं चेतना, परम्पराओं, बलिदान, विचार, साहित्य के साथ–साथ कला, संस्कृति, लोक परम्परा, पुरातत्व तथा राज्य शासन द्वारा प्रवर्तित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोक समाज को दी जा रही है।

रेडियो आज़ाद हिन्द से वर्तमान में प्रतिदिन 15 घण्टे आन एयर तथा ऑनलाईन प्रसारण किया जा रहा है जिसमें अक्षयनिधि में ऋग्वेद से वाचन, जीवन सौरभ, भक्ति संगीत, सुनहरी यादें, रणबाँकुरों की आत्मकथाएँ, आदि विद्रोही, बाल सभा, आज़ाद हिन्द, परिक्रमा, वतन का राग, आज़ादी क्विज शो, विज्ञान चर्चा, आमने–सामने, वागर्थ, हिन्दोस्तां हमारा, वंदेमातरम्, देशभक्ति गीत, भारतीय सिनेमा का सफर, ऋषि वैज्ञानिक, मध्यप्रदेश की धरोहर, भक्ति संगीत, सुर–सागर, छू लो आसमां, शब्दों के शिल्पकार, जिज्ञासा आपकी समाधान विज्ञान के तथा रेडियो रिपोर्ट एवं देशभक्ति गीत आदि कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है।

स्वाधीनता संग्राम–स्वराज को समर्पित देश का पहला सामुदायिक रेडियो केन्द्र रेडियो आज़ाद हिन्द द्वारा असंख्य क्रांतिवीरों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संस्मरणों और अनाम योद्धाओं पर केन्द्रित रोचक कार्यक्रम एवं देशभक्ति गीतों का वर्ल्ड स्पेस, इंटरनेट पर ऑनलाईन प्रसारण कर देश–विदेश के श्रोताओं को देश के गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित कराने का विनम्र प्रयास किया जा रहा है। रेडियो आज़ाद हिन्द, भोपाल द्वारा देश के कोई 180 सामुदायिक रेडियो केन्द्रों को भी कन्टेंट शेयर योजनांतर्गत जोड़ा गया है।

भाग – चार

सामान्य प्रशासनिक विषय

राज्य शासन द्वारा समय–समय पर प्रसारित दिशा–निर्देशों के अंतर्गत समस्त प्रशासनिक कार्य संपादित किये जाते हैं। स्वराज संस्थान संचालनालय में किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच, पेंशन एवं न्यायालयीन प्रकरण लंबित नहीं है। संचालनालय के अंतर्गत वर्तमान में कोई अधीनस्थ कार्यालय नहीं होने से स्थानांतरण से सम्बन्धित कोई प्रकरण नहीं है। न्यायालयीन प्रकरणों के अंतर्गत फिल्म निर्माण से सम्बन्धित एक प्रकरण उच्च न्यायालय में अपील के लिए विचाराधीन है। जनशिकायत के निपटारे सम्बन्धी कोई प्रकरण लंबित नहीं। प्रशासकीय विभाग द्वारा प्रेषित संसदीय कार्य/विधानसभा सम्बन्धी कार्यों एवं ध्यानाकर्षण इत्यादि की जानकारी यथा समय नियमित रूप से प्रेषित की गयी। संचालनालय से सम्बन्धित कोई संसद प्रश्न तथा ध्यानाकर्षण नहीं हैं।

भाग–पाँच

अभिनव योजना

मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, रणबांकुरों की स्मृति को संजोये रखने के लिए **जननायक टंट्या भील** (पातालपानी–इंदौर एवं बड़ौदा अहीर–खण्डवा)**, बिरसा मुण्डा (डगडौआ–उमरिया), रानी दुर्गावती** एवं **राजा शंकरशाह–रघुनाथशाह** (मण्डला), **राजा सरयु प्रसाद** (विजयराघवगढ–कटनी), **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद** (भाभरा–अलिराजपुर), **रानी अवंतिबाई** (बालपुर–डिण्डौरी) **एवं टुरिया जंगल सत्याग्रह** (सिवनी) मेलों का आयोजन किया गया।

भाग – छः

विभागीय प्रकाशन

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा **स्वराज पुस्तक मालांतर्गत** स्वाधीनता संघर्ष एवं सम्बन्धित विषयों पर अब तक लगभग 70 पुस्तकें तथा **अक्षयनिधि प्रकाशन** योजनांतर्गत लगभग 8 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। **स्वराज बुलेटिन** के भी 8 अंक प्रकाशित हुये हैं। इसके साथ ही अब तक स्वाधीनता संग्राम–स्वराज सम्बन्धी बहुविध विषयों पर केन्द्रित आलेख सेवा **स्वराज सन्दर्भ** के 295 अंक प्रकाशित किये गये।

भाग–सात

महिला नीति

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा महिलाओं की समस्या के निराकरण हेतु समिति का गठन कर संस्कृति संचालनालय की महिला अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप मनोनीत किया गया है। समय–समय पर संचालनालय में कार्यरत एकमात्र नियमित महिला कर्मचारी से उसकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाती है।

महिलाओं के लिए किये गये कार्य :– स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी को रेखांकित करने के उद्देश्य से देवी चौधरानी, महारानी तपस्विनी, भीमाबाई होल्कर, रानी अवंतीबाई, अज़ीज़न, बेगम ज़ीनत महल, हज़रत महल, कुमारी मैना, एनी बेसेंट, कस्तूरबा गांधी, कमला नेहरू, भगिनी निवेदिता, विद्या देवी, मीरा बेन आदि की चित्र प्रदर्शनी **वीरांगना** तथा महारानी लक्ष्मीबाई पर केन्द्रित चित्रकथा प्रदर्शनी **ज़रा याद करो कुर्बानी** समय–समय पर आयोजित की गईं। गणतंत्र दिवस अवसर पर सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित **भारत पर्व** में नाटक, लोकगीत, लोकनृत्य, आज़ादी के तराने, कवि सम्मेलन आदि प्रस्तुति हेतु महिला कलाकारों की विशेष भागीदारी को सुनिश्चित किया गया।

देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए महिला को समर्पित करने के उद्देश्य से स्थापित **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख) से अब तक प्रख्यात पर्वतारोही **बछेन्द्री पॉल**, मुक्केबाज़ **मैरी कॉम**, भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षेत्र में जाने वाली प्रथम महिला पायलट **श्रीमती गुंजन सक्सेना** एवं प्रख्यात पर्यावरणविद् **सुश्री सुनीता नारायण, श्रीमती वंदना शिवा** को सम्मानित किया जा चुका है।

इसी प्रकार संचालनालय द्वारा विभिन्न आयोजनों, रेडियो कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, चित्रांकन कार्यशालाओं इत्यादि में महिलाओं की विशेष रूप से भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित विशेष साप्ताहिक रेडियो कार्यक्रम **"छू लो आसमाँ"** अंतर्गत राजनीति, विज्ञान, समाजसेवा, खेल, प्रबन्धन, चिकित्सा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली देश की प्रमुख महिलाओं के जीवन एवं उनकी सफलता पर आधारित रेडियो कार्यक्रम का निर्माण कर प्रसारण भी किया जा रहा है।